मेट्रो Rays

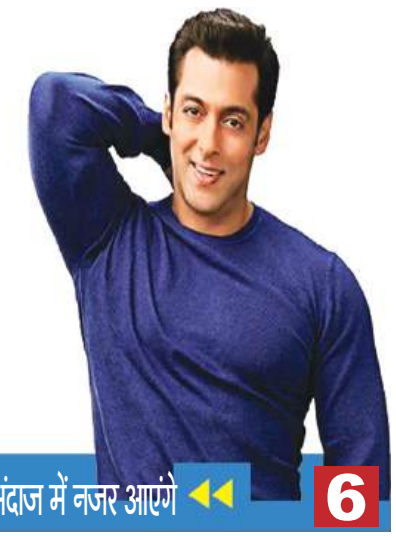
आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 17 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक शुक्ल 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 71 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक



4 ▸▸ छोटे बच्चों में इतनी हिंसा आखिर आ कहां से रही है?

बजरंगी भाईजान और सुल्तान के बाद मातृभूमि में एक बार फिर भावनात्मक अंदाज में नजर आएंगे ◂◂ 6

11 हजार वोल्ट बिजली तार की चपेट में आया हाथी, मौत



संवाददाता

- बिजली विभाग की लापरवाही पर ग्रामीणों में आक्रोश
- सरायकेला-खरसावां के गुंडा गांव में हुआ हादसा, धान के खेत में जा रहा था 40 वर्षीय हाथी

सरायकेला-खरसावां: जिले के चांडिल वन क्षेत्र अंतर्गत गुंडा गांव के डीटांड टोला में सोमवार रात 11 हजार वोल्ट के बिजली तार की चपेट में आने से एक जंगली हाथी की मौत हो गई। करीब 40 वर्षीय हाथी भोजन की तलाश में धान के खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान खेत की मेड़ पार करते समय नीचे लटक रहे बिजली के तार के संपर्क में आ गया। करंट इतना तेज था कि हाथी की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के गांवों के ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर जुट गए। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। हाथी की मौत से ग्रामीणों में आक्रोश है। उन्होंने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है।

नीचे लटक रहे तार बने हादसे की वजहः ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग को समय रहते नीचे लटक रहे तारों की मरम्मत करानी चाहिए थी। साथ ही बिजली के तारों को सुरक्षित ऊंचाई पर रखना जरूरी है। उनका मानना है कि यदि विभाग ने समय रहते आवश्यक कदम उठाए होते तो इस हादसे को रोका जा सकता था। ग्रामीणों ने भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

दलमा सेंचुरी से हाथियों के पलायन पर भी चिंता: ग्रामीणों ने दलमा वन्यजीव अभयारण्य से हाथियों के झुंड के लगातार पलायन पर भी चिंता जताई है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि भोजन और पानी की तलाश में हाथियों के झुंड अभयारण्य छोड़कर ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र में क्यों पहुंच रहे हैं।

ऋषिकेश : खाई में गिरी यात्रियों से भरी बस, आठ की मौत, 20 घायल

ऋषिकेश: उत्तराखंड के ऋषिकेश में मंगलवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। गूलर बाजार के पास करीब 35 यात्रियों से भरी एक बस पुल से लगभग 100 मीटर नीचे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 20 यात्रियों को घायल अवस्था में बाहर निकाला गया। घटना टिहरी जिले के मुनि की रेती थाना क्षेत्र में सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुई।



जानकारी के अनुसार, हादसे का शिकार हुई बस हरिद्वार से बदरीनाथ जा रही थी। गूलर बाजार के पास अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया और वह पुल से नीचे खाई में जा गिरी। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सूचना मिलने पर मुनि की रेती, गूलर, शिवपुरी और ब्यासी चौकियों की पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की ब्यासी और ढालवाला पोस्ट से बचाव दल भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और बचाव दलों ने स्थानीय लोगों की मदद से खाई में उतरकर राहत एवं बचाव अभियान चलाया। करीब 20 घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

एसडीआरएफ के सेनानायक अर्पण यदुवंशी ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। रेस्क्यू अभियान की कमान एसडीआरएफ के सेनानायक अर्पण यदुवंशी, क्षेत्राधिकारी नरेंद्रनगर और मुनि की रेती थाना प्रभारी संभाल रहे थे।

चतरा के जंगल में मिला महिला का अधजला शव, हत्या कर पहचान छिपाने की आशंका

प्रतापपुर के लाली माटी जंगल में 30 से 50 प्रतिशत तक जला मिला शव, पहचान में जुटी पुलिस

चतराः जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत लाली माटी जंगल में मंगलवार सुबह एक अज्ञात महिला का सड़ा-गला और अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शरीर करीब 30 से 50 प्रतिशत तक जला हुआ बताया जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि महिला की हत्या कहीं और करने के बाद पहचान छिपाने और साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव को जंगल में फेंका गया है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह स्थानीय ग्रामीण अपने मवेशियों को चराने के लिए जंगल की ओर गए थे। इसी दौरान उनकी नजर लाली माटी जंगल में पड़े महिला के शव पर पड़ी। शव की हालत देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। उन्होंने तत्काल



प्रतापपुर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी।

शव 30 से 50 प्रतिशत तक जला हुआ : घटनास्थल की स्थिति कई सवाल खड़े कर रही है। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर महिला का शव मिला, उसके आसपास आग लगने या जमीन जलने के कोई निशान नहीं हैं। इसके बावजूद महिला का शरीर करीब 30 से 50 प्रतिशत तक जला हुआ है। इससे आशंका जताई जा रही है कि अपराधियों ने किसी दूसरी जगह महिला की हत्या कर शव को यहां लाकर फेंका और उसकी पहचान छिपाने के लिए उसे जलाने का प्रयास किया।

महिला की पहचान में जुटी पुलिसः सूचना मिलने पर प्रतापपुर थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के इलाकों में संपर्क कर महिला की पहचान करने का प्रयास कर रही है। फिलहाल महिला की मौत के कारणों और घटना में शामिल लोगों के संबंध में कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मामले का खुलासा हो सकेगा।

यमुना प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, जिम्मेदार राज्यों और जिलों पर लगेगा जुर्माना

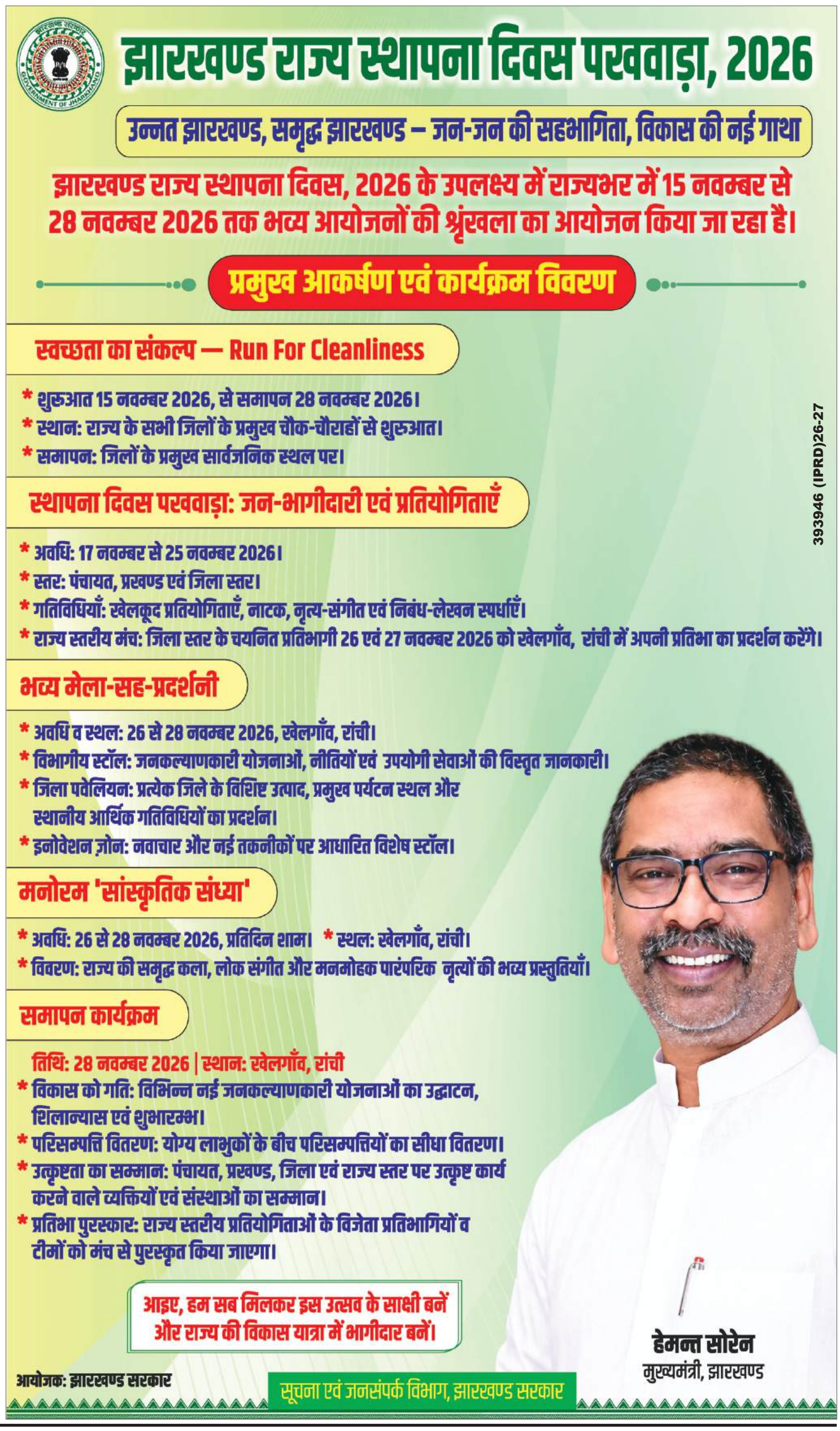
नदी के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर जांची जाएगी पानी की गुणवत्ता, सीपीसीबी तैयार करेगा जुर्माने का फॉर्मूला

नई दिल्ली: यमुना नदी में लगातार बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यमुना नदी जिन राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और जिलों से होकर गुजरती है, वहां पानी की गुणवत्ता खराब पाए जाने पर संबंधित प्रशासन को जवाबदेह ठहराया जाएगा। प्रदूषण के लिए जिम्मेदार राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और जिलों पर आर्थिक जुर्माना लगाया जा सकता है। जुर्माने की राशि सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में जमा करानी होगी।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने



अपने आदेश में कहा कि यमुना के पानी की गुणवत्ता का आकलन प्रत्येक क्षेत्र में प्रवेश और निकास के बिंदुओं पर किया जाएगा। यदि किसी क्षेत्र से गुजरने के दौरान पानी की गुणवत्ता निर्धारित मानकों से खराब पाई जाती है तो संबंधित प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को जुमार्ने की राशि निर्धारित करने के लिए एक फॉमूर्ला तैयार करने का निर्देश दिया है।



न्यूज IN ब्रीफ

जल-नल योजना के जलमीनार बने शोपीस, खुद प्यासे हैं तो ग्रामीणों की कैसे बुझाएं प्यास?



किस्को (लोहरदगा): सरकार की ओर से ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई जल-नल योजना किस्को प्रखंड के देवदरिया पंचायत के खरचा गांव में दम तोड़ती नजर आ रही है। गांव के विभिन्न टोलों में लगाए गए जलमीनार वर्षों से खराब पड़े हैं। ऐसे में ग्रामीणों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

कहीं एक तो कहीं तीन वर्षों से बंद हैं जलमीनारः जानकारी के अनुसार, पंचायत में संवेदक सोनू साहू द्वारा जलमीनारों का निर्माण कराया गया था, ताकि लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जा सके। लेकिन रखरखाव और मरम्मत के अभाव में अधिकांश जलमीनार बेकार पड़े हैं।

खरचा गांव के बलहा टोली में लगा जलमीनार पिछले एक साल से खराब है। वहीं, खरचा रामलीला मैदान में स्थापित जलमीनार तीन वर्षों से बंद पड़ा है। यहां जलमीनार का समरसेबल और स्टार्टर भी खोलकर ले जाया गया है।

गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीणः ग्रामीणों का कहना है कि पंचायत के अधिकांश टोलों में लगे जलमीनारों की स्थिति ऐसी ही है। सरकार की ओर से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योजना संचालित की जा रही है, लेकिन विभागीय लापरवाही और निर्माण के बाद उचित देखरेख नहीं होने के कारण इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

पेयजल संकट के कारण लोग इधर-उधर से पानी लाने और गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने सभी खराब जलमीनारों की जल्द मरम्मत कराकर नियमित पेयजल आपूर्ति शुरू कराने की मांग की है।

पंचायती राज से कराई जाएगी मरम्मत : जेई

इस संबंध में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता अमित ठाकुर ने बताया कि क्षेत्र में खराब पड़े जलमीनारों को दुरुस्त कराने की प्रक्रिया चल रही है। सभी खराब जलमीनारों की सूची तैयार कर मुख्यालय भेज दी गई है। पंचायती राज के माध्यम से इनकी मरम्मत कराई जाएगी और जल्द ही पेयजल आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जाएगा।

तीन महीने की मेहनत और नौजवानों के जज्बे से सफल हुआ रांची जोन का तब्लीगी इज्तेमा

चान्हो (रांची): चान्हो के लापुंग में आयोजित तीन दिवसीय रांची जोन का तब्लीगी इज्तेमा आपसी सहयोग, तीन महीने की लगातार मेहनत और नौजवानों के सेवा भाव के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इज्तेमा की सफलता में आलिम-उलेमाओं की रहनुमाई, बुजुर्गों की दुआओं और रांची जोन के नौजवानों की अहम भूमिका रही।

इज्तेमा के आयोजन को लेकर नौजवानों ने दिन-रात मेहनत कर मैदान में सभी जरूरी इंतजाम किए थे। दूर-दराज से आने वाले मेहमानों की सुविधा के लिए प्रमुख रास्तों पर जगह-जगह पानी, चाय-नाश्ता, भोजन, दवा और प्राथमिक उपचार के स्टॉल लगाए गए थे। नौजवानों की इस सेवा भावना और बेहतर व्यवस्था की लोगों ने सराहना की।

इज्तेमा के अंतिम दिन आयोजित सामूहिक दुआ में बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की। इस दौरान देश और दुनिया में अमन-चैन, आपसी भाईचारे, एकता और खुशहाली के लिए विशेष दुआ मांगी गई।

इस मौके पर जमीयतुल इराकीन फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से जावेद अख्तर ने आयोजन की सफलता में सहयोग देने वाले सभी आलिम-उलेमाओं, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, स्थानीय प्रशासन, मीडियाकर्मियों, नौजवानों और क्षेत्र के सभी समुदायों के लोगों के प्रति आभार प्रकट किया।

उन्होंने कहा कि सभी के सामूहिक सहयोग, आपसी तालमेल और अथक मेहनत से यह आयोजन ऐतिहासिक और सफल बन सका। उन्होंने विशेष रूप से नौजवानों के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण इज्तेमा की कामयाबी की बड़ी वजह रही।

अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ ने की 30 मरीजों की जांच

रांचीः अंजुमन इस्लामिया अस्पताल में किडनी रोग से पीड़ित मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। अपोलो अस्पताल, नई दिल्ली के किडनी ट्रांसप्लांट विशेषज्ञ डॉ. भारत भूषण अस्पताल पहुंचकर मरीजों की जांच और इलाज कर रहे हैं। अब तक उन्होंने करीब 30 मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया है।

डॉ. भारत भूषण के अस्पताल पहुंचने पर अंजुमन इस्लामिया अस्पताल प्रबंधक समिति की ओर से बुके देकर उनका स्वागत किया गया। वे किडनी रोग एवं किडनी ट्रांसप्लांट से संबंधित समस्याओं के उपचार और परामर्श में विशेषज्ञता रखते हैं।

अस्पताल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मोख्तार अहमद ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन का लगातार प्रयास है कि रांची और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को बेहतर एवं विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसी उद्देश्य से समय-समय पर देश के प्रतिष्ठित अस्पतालों के विशेषज्ञ चिकित्सकों को आमंत्रित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस पहल से स्थानीय मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श लेने के लिए दूसरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

इस मौके पर अस्पताल प्रबंधक समिति के अध्यक्ष मोख्तार अहमद, उपाध्यक्ष जाहिद अहमद, सहसचिव नदीम खान, सुपरिटेंडेंट मोकीम आलम सुफियान, खालिद उर्फ नन्हू समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। सभी ने डॉ. भारत भूषण का स्वागत करते हुए अस्पताल की ओर से उपलब्ध कराई जा रही विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाओं की सराहना की।

26 नवंबर को देशभर में किसान महापड़ाव, एमएसपी की गारंटी के लिए जनवरी में चलेगा अभियान

संवाददाता

मुरी : अखिल भारतीय किसान सभा के 36वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन तेलंगाना के नलगोंडा में किया जा रहा है। सम्मेलन के प्रतिनिधि सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अशोक धावले ने की। उद्घाटन सत्र को सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष ने संबोधित किया।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. अशोक धावले ने अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय परिस्थितियों पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि अन्नदाता किसानों पर कृषि संकट और हमले लगातार बढ़ रहे हैं। भारत में पिछले 12 वर्षों से मोदी सरकार की नीतियों के कारण किसान अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। किसान विरोधी कानून, भारत-अमेरिका व्यापार समझौता, बीज एवं बिजली विधेयक, मनरेगा को समाप्त करने की कोशिश, जबरन जमीन अधिग्रहण, चार श्रम संहिताएं तथा जल, जंगल और जमीन पर कॉरपोरेट कब्जा किसानों के लिए गंभीर चुनौती बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 30 वर्षों में पांच लाख से अधिक किसानों की आत्महत्याएं चिंता का विषय हैं। 13 महीने तक चले ऐतिहासिक किसान आंदोलन के बाद केंद्र सरकार ने तीनों कृषि कानून वापस लिए थे। साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा के साथ लिखित समझौता कर तीन महीने के भीतर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन आज तक इसे लागू नहीं किया गया।

उन्होंने घोषणा की कि किसानों की मांगों को लेकर 26 नवंबर को देशभर में राजभवनों के समक्ष तथा जिला एवं अनुमंडल स्तर पर किसान महापड़ाव आयोजित किया जाएगा। इसके अलावा 1 से 7 जनवरी 2027 तक पूरे देश में



एमएसपी अभियान चलाया जाएगा।

सम्मेलन को संयुक्त किसान मोर्चा के नेता राकेश टिकैत, किसान महासभा के महासचिव पुरुषोत्तम शर्मा, अखिल भारतीय किसान सभा (अजय भवन) के महासचिव राजुला वेंकैया, सीटू महासचिव करीम, एआईकेएमएस के शंकर घोष, एडवा की महासचिव श्रीमती टीचर तथा भारत की नौजवान सभा के नेताओं ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि आजादी के बाद मोदी सरकार देश की सबसे किसान विरोधी सरकार साबित हुई है, जो केवल कॉरपोरेट घरानों के हितों में काम कर रही है।

अखिल भारतीय किसान सभा के महासचिव बीजू कृष्णन ने संगठन की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि वर्ष 1936 में स्थापित किसान सभा का 90 वर्षों का गौरवशाली संघर्षपूर्ण इतिहास रहा है। यह देश का सबसे बड़ा किसान संगठन है, जिसकी सदस्यता एक करोड़ 56 लाख है। संगठन पिछले 90 वर्षों से किसानों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहा है। राष्ट्रीय सम्मेलन में झारखंड सहित देश के सभी राज्यों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन 18 नवंबर तक चलेगा। झारखंड से महासचिव सुफल महतो, अध्यक्ष असीम सरकार, सुरजीत सिन्हा, प्रदीप गुड़िया, प्रफुल्ल लिंडा, मदुवा कच्छप, शंकर उरांव, मिला कुजूर, राजू मुंडा, ललित मुंडा, स्वपन महतो, गोपीन सोरेन, बिसंबर महतो, सुखदेव महतो, सहदेव मुंडा, रीता स्वासी, लखी सोरेन और लखीराम मुर्मू सहित कई प्रतिनिधि सम्मेलन में शामिल हैं। वहीं बिहार किसान सभा के उपाध्यक्ष प्रभु नारायण राव, बिनोद झा और अवधेश कुमार सहित अन्य राज्यों के प्रतिनिधि भी भाग ले रहे हैं।

उलगुलान के नायक ही नहीं, जनजातीय अस्मिता और सांस्कृतिक चेतना के प्रहरी थे भगवान बिरसा मुंडा

संवाददाता

भगवान बिरसा मुंडा का नाम भारतीय इतिहास में केवल अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष और ऐतिहासिक उलगुलान के लिए ही अमर नहीं है, बल्कि जनजातीय समाज में धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण के लिए भी उन्हें विशेष रूप से याद किया जाता है। 15 नवंबर 1875 को जन्मे बिरसा मुंडा ने अपने अल्प जीवन में ऐसा नेतृत्व दिया, जिसने आदिवासी समाज को शोषण, अन्याय और सांस्कृतिक हस्तक्षेप के खिलाफ संगठित किया।

बिरसा मुंडा के जीवन का एक महत्वपूर्ण पक्ष उनका धार्मिक चिंतन और सामाजिक सुधार आंदोलन भी था। प्रारंभिक शिक्षा मिशनरी विद्यालय में प्राप्त करने के बावजूद बाद में उनका ईसाई मिशनरियों की गतिविधियों से मोहभंग हो गया। इतिहासकार के.एस. सिंह सहित कुछ अध्येताओं के उल्लेखों के अनुसार, उनका संपर्क वैष्णव उपदेशक आनंद



पांडे से हुआ। उनके साथ लगभग तीन वर्ष बिताकर बिरसा ने रामायण, महाभारत और भगवद्गीता सहित भारतीय धार्मिक परंपराओं का अध्ययन किया। जगन्नाथ मंदिर में उनकी प्रार्थना का भी उल्लेख मिलता है।

वर्ष 1895 में उन्होंने 'बिरसाइत' धार्मिक-सामाजिक आंदोलन की शुरूआत की। इसके माध्यम से उन्होंने समाज में नैतिक अनुशासन, शाकाहार, नशामुक्ति, गौहत्या पर रोक, तुलसी पूजन और चंदन तिलक जैसी परंपराओं को प्रोत्साहित किया। उनके अनुयायी उन्हें ईश्वर का अवतार मानते थे।

बिरसा मुंडा का संघर्ष केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं था। उनका मूल उद्देश्य आदिवासियों को जमीन, जंगल, संस्कृति और सम्मान का अधिकार दिलाना था। अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के खिलाफ उनका विद्रोह इसी संघर्ष का प्रतीक बना। वर्ष 1900 में अंग्रेजों की हिरासत में उनका निधन हो गया।

आज बिरसा मुंडा की विरासत को किसी एक राजनीतिक या वैचारिक खांचे में सीमित करना उनके व्यापक व्यक्तित्व के साथ अन्याय होगा। वे आदिवासी अस्मिता, सामाजिक चेतना, सांस्कृतिक स्वाभिमान और अधिकारों की लड़ाई के महान प्रतीक थे। उन्हें उनकी संपूर्णता में याद करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

स्थापना दिवस समारोह की तारीख बदलने पर खूंटी में उबाल



संवाददाता

खूंटी: झारखंड स्थापना दिवस और धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के मुख्य राजकीय समारोह की तिथि 15 नवंबर के स्थान पर 28 नवंबर करने के राज्य सरकार के फैसले के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। सोमवार को खूंटी के भगत सिंह चौक पर विभिन्न आदिवासी सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने सरकार के निर्णय के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। आंदोलनकारियों ने इसे झारखंड की ऐतिहासिक पहचान, आदिवासी अस्मिता और भगवान बिरसा मुंडा के सम्मान के साथ खिलवाड़ बताया।

विरोध प्रदर्शन के दौरान उस समय स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जब आक्रोशित संगठनों ने राज्य सरकार का प्रतीकात्मक पुतला दहन करने का प्रयास किया। मौके पर तैनात पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के हाथों से पुतला छीन लिया, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। सामाजिक संगठनों ने पुलिस की कार्रवाई को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए नाराजगी जताई।

सरना सांगोंम समिति की अध्यक्ष दुर्गावती ओडेया ने प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की पहचान यहां के आदिवासी समाज, उसकी संस्कृति और ऐतिहासिक संघर्षों से जुड़ी है। 15 नवंबर का दिन हमारे पूर्वजों के संघर्ष और भगवान बिरसा मुंडा के उलगुलान के बलिदान की याद दिलाता है। यह कोई साधारण सरकारी आयोजन की तारीख नहीं, बल्कि हमारी ऐतिहासिक चेतना और अस्मिता से जुड़ा संवेदनशील विषय है। सरकार को ऐसा निर्णय लेने से पहले जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए था।

आदिवासी नेता प्रकाश टुटी ने हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड का निर्माण किसी सत्ता या सरकार की कृपा से नहीं, बल्कि दशकों के जनआंदोलन और असंख्य लोगों के त्याग से हुआ है। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराना नागरिकों का संवैधानिक अधिकार है। पुलिस द्वारा बलपूर्वक पुतला छीनना दर्शाता है कि सरकार के फैसलों पर सवाल उठाने वालों की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है।

युवा कार्यकर्ता अमन तोपनो ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा आज भी आदिवासी समाज के स्वाभिमान और जल, जंगल, जमीन के अधिकारों की रक्षा की सबसे बड़ी प्रेरणा हैं।

प्रदर्शनकारियों ने राज्य सरकार से इस निर्णय पर तत्काल पुनर्विचार करने और 15 नवंबर के ऐतिहासिक महत्व को बरकरार रखने की मांग की। संगठनों ने चेतावनी दी कि झारखंड के स्वाभिमान के सवाल पर उनका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

प्रदर्शन में दुर्गावती ओडेया, प्रकाश टुटी, अमन तोपनो, राम मुंडा, पुनिया भेंगरा, मोदेश्ता टोपनो, मुनि पहन, भादवा मुंडा सहित बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ता मौजूद थे।

सेवा से प्रेरित होकर 2600 किमी दौड़कर खूंटी पहुंचे स्वीडन के चार युवक

संवाददाता

खूंटी: मानवता, कृतज्ञता और निस्वार्थ सेवा की सरहदों से परे एक अनूठी मिसाल सामने आई है। एक भारतीय नागरिक द्वारा विदेशी व्यक्ति की जान बचाने और बदले में किसी भी प्रकार का प्रतिफल लेने से इनकार करने की घटना से प्रभावित होकर स्वीडन के चार नागरिक लेह-लद्दाख से करीब 2600 किलोमीटर की कठिन दौड़ लगाकर खूंटी पहुंचे हैं। लगभग ढाई महीने की लगातार मेहनत और साहसिक यात्रा के बाद इन विदेशी धावकों का खूंटी आगमन हुआ।

इन स्वीडिश नागरिकों की लंबी यात्रा का मुख्य उद्देश्य 'आशा' नामक गैर-सरकारी संस्था की मदद के लिए फंड जुटाना है। सेवा भावना से प्रेरित इन युवाओं ने अपने साथ संस्था का आधिकारिक बारकोड रखा है। यात्रा के दौरान इस बारकोड के माध्यम से मिलने वाली धनराशि सीधे 'आशा' संस्था के खाते में जमा हो रही है, जिसका उपयोग सामाजिक कल्याण के कार्यों में किया जाएगा।

खूंटी की सीमा में प्रवेश करते ही विदेशी मेहमानों का गर्मजोशी और पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियंक भगत, चैंबर के सक्रिय सदस्यों और 'खूंटी राज रतन' की ओर से धावकों को गुलदस्ता भेंट किया गया तथा माला



पहनाकर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके अद्भुत जज्बे और सेवा भावना की सराहना की।

स्वागत समारोह के बाद चारों विदेशी नागरिक खूंटी कॉन्वेंट के लिए रवाना हुए। स्थानीय प्रतिनिधियों से मिली जानकारी के अनुसार, धावक कुछ दिनों तक खूंटी में रुककर आराम करेंगे। इसके बाद वे अपने मिशन और आगे की यात्रा को पूरा करने के लिए रवाना होंगे।

यह अनूठी पहल साबित करती है कि भलाई, इंसानियत और सेवा की कोई सीमा या भाषा नहीं होती। एक भारतीय के निस्वार्थ सेवा भाव से प्रेरित होकर विदेशी युवाओं का हजारों किलोमीटर की यात्रा पर निकलना मानवता और आपसी सहयोग का प्रेरक उदाहरण है।

दो दिन से लापता बुजुर्ग का शव दामोदर नदी से बरामद

बोकारो: तेलमोचो पुल के समीप सोमवार की सुबह दामोदर नदी में एक बुजुर्ग का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। बाद में मृतक की पहचान चास थाना क्षेत्र के तारानगर निवासी 77 वर्षीय विश्वनाथ सिंह के रूप में हुई। बताया जाता है कि वह पिछले दो दिनों से घर से लापता थे।

स्थानीय लोगों ने सोमवार सुबह नदी में पत्थरों के बीच एक शव फंसा हुआ देखा। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही चास मुफस्सिल थाना प्रभारी प्रकाश मंडल पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। काफी मशक्कत के बाद शव को नदी से बाहर निकाला गया।

शुरूआत में शव की पहचान नहीं हो सकी थी। बाद में परिजनों ने उसकी शिनाख्त विश्वनाथ सिंह के रूप में की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

झारखंड के खनिज अधिकारों पर सरकार सख्त, मैथन डैम की 521 करोड़ की नीलामी टली

संवाददाता

रांची : मैथन डैम की तलहटी में जमा गाद और बालू की बिक्री को लेकर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) और झारखंड सरकार के बीच विवाद गहरा गया है। राज्य सरकार की आपत्ति के बाद डीवीसी ने 17 और 18 दिसंबर को प्रस्तावित 521.33 करोड़ रुपये की ई-नीलामी स्थगित कर दी है। टेंडर की अंतिम तिथि बढ़ाकर जनवरी 2027 कर दी गई है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ऊर्जा सचिव के. श्रीनिवासन को निर्देश दिया है कि वे इस मुद्दे को केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय के समक्ष उठाएं और झारखंड के हितों की रक्षा सुनिश्चित करें। इस बीच केंद्रीय ऊर्जा सचिव ने भी डीवीसी प्रबंधन से बातचीत की है।

दरअसल, डीवीसी ने मैथन डैम की सफाई यानी डिसिल्टिंग के नाम पर अगले 10 वर्षों तक गाद और बालू निकालकर बेचने की योजना बनाई थी। इसके लिए गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जेम) पोर्टल के माध्यम से रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल पर ई-टेंडर जारी किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया में करीब 521.33 करोड़ रुपये की संपदा की बिक्री प्रस्तावित थी।

झारखंड सरकार का आरोप है कि इतनी बड़ी प्रक्रिया में राज्य को न तो विश्वास में लिया गया और न ही खनिज नियमों का पालन किया गया।

सरकार की आपत्ति के बाद टली नीलामीः डीवीसी की ओर से जारी टेंडर के तहत 17 और 18 दिसंबर को ई-नीलामी होनी थी। लेकिन राज्य सरकार की आपत्ति के बाद निगम ने नीलामी प्रक्रिया स्थगित कर दी। मुख्यमंत्री ने ऊर्जा सचिव को केंद्र सरकार से सीधे बातचीत करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार का मानना है कि मैथन डैम की तलहटी में जमा गाद और



बालू की बिक्री से जुड़े फैसले में झारखंड के कानूनी और आर्थिक अधिकारों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

खान निदेशक ने डीवीसी को भेजा पत्रः डीवीसी की एकतरफा पहल पर राज्य के खान विभाग ने कड़ा ऐतराज जताया है। खान निदेशक राहुल कुमार सिन्हा ने डीवीसी के कार्यपालक निदेशक (मैथन) को पत्र भेजकर पूरे मामले में जवाब मांगा है।

विभाग ने कानूनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि जलाशय की तलहटी में जमा गाद और बालू झारखंड राज्य की संपत्ति है तथा यह लघु खनिज की श्रेणी में आता है। खान विभाग के अनुसार, राज्य सरकार की पूर्व अनुमति, रॉयल्टी का निर्धारण और जरूरी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी किए बिना डीवीसी को इसकी नीलामी या बिक्री करने का अधिकार नहीं है।

10 वर्षों तक गाद और बालू निकालने की थी योजनाः डीवीसी ने मैथन डैम की डिसिल्टिंग के नाम पर अगले 10 वर्षों तक गाद और बालू निकालने तथा उसकी बिक्री की योजना बनाई थी। इसके लिए रेवेन्यू शेयरिंग मॉडल अपनाया गया था। प्रस्तावित योजना के तहत करीब 521.33 करोड़ रुपये की संपदा की बिक्री होनी थी। फिलहाल ई-नीलामी टलने के बाद भी मामला पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। राज्य के खान और ऊर्जा विभाग की नजर डीवीसी की अगली कार्रवाई पर है। अब केंद्र सरकार और डीवीसी प्रबंधन के साथ होने वाली बातचीत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

छठ पर बंद घरों को चोरों ने बनाया निशाना लाखों के जेवरात और नकदी चोरी

नामकुम में गृह सचिव के बॉडीगार्ड के घर भी चोरी, बीआईटी, चुटिया और पुंदाग में भी वारदात

मेट्रो रेज



रांची : राजधानी में छठ महापर्व के दौरान चोरों ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते हुए कई बंद घरों को निशाना बनाया। परिवार के साथ छठ मनाने गांव और दूसरे शहरों में गए लोगों के घरों का ताला तोड़कर चोर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी ले उड़े। नामकुम, बीआईटी, चुटिया और पुंदाग ओपी क्षेत्र से चोरी की घटनाएं सामने आई हैं।

जानकारी के अनुसार, चोरी की एक बड़ी घटना नामकुम थाना क्षेत्र में हुई। यहां चोरों ने झारखंड के गृह सचिव के बॉडीगार्ड के घर को निशाना बनाया। बताया जाता है कि बॉडीगार्ड का पूरा परिवार छठ पूजा मनाने गांव गया हुआ था। इसी दौरान चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात चोरी कर लिए।

वहीं, चोरी की दूसरी बड़ी घटना बीआईटी थाना क्षेत्र के मेसरा स्थित देवी दर्शन के वैष्णवी नगर में हुई। गृहस्वामी धर्मेंद्र कुमार सिंह परिवार के साथ छठ मनाने बिहार के छपरा जिले के परसा गांव गए हुए थे। इसी दौरान रविवार को चोरों ने उनके बंद घर का ताला तोड़कर नकदी और करीब 12 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण समेत अन्य कीमती सामान चोरी कर लिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद गृहस्वामी ने संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।इसके अलावा चुटिया और पुंदाग ओपी क्षेत्र में भी चोरी की घटनाएं सामने आई हैं। हालांकि, इन दोनों क्षेत्रों में चोरी गए सामान और कुल नुकसान का आकलन अभी नहीं हो पाया है।

छठ महापर्व के दौरान लगातार हो रही चोरी की घटनाओं ने राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस सभी मामलों की जांच कर रही है और चोरों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अंतिम मौका रांची के सभी बूथों पर कल विशेष कैंप

सुबह 11 से शाम 4 बजे तक चलेगा अभियान, 18 वर्ष पूरे कर चुके पात्र नागरिक भर सकेंगे फॉर्म-6

मेट्रो रेज



रांची : मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित रह गए पात्र नागरिकों को निर्वाचन आयोग एक और अवसर देने जा रहा है। इसके तहत 18 नवंबर को रांची जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाया जाएगा। कैंप सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। इस दौरान नागरिक मतदाता सूची से संबंधित विभिन्न कार्यों का निष्पादन करा सकेंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत आयोजित इस कैंप में वैसे सभी पात्र नागरिक, जिन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, लेकिन किसी कारणवश उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हो पाया है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम पंजीकृत करा सकेंगे।

इसके अलावा मतदाता सूची के शुद्धिकरण और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बूथों पर नो मैपिंग, लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी यानी तार्किक विसंगतियों और अन्य त्रुटियों से संबंधित मतदाताओं की सूची भी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध रहेगी। संबंधित मतदाता अपने विवरणों की जांच कर आवश्यक सुधार करा सकेंगे।

इस विशेष अभियान के दौरान एसआईआर के तहत बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) और विभिन्न राजनीतिक दलों की ओर से नियुक्त बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) की छठी और अंतिम संयुक्त बैठक भी होगी। बैठक में मतदाता सूची के अद्यतन कार्य की समीक्षा की जाएगी, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए।झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने अभियान को सफल बनाने के लिए सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों से सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और बीएलए-2 से अपने-अपने क्षेत्रों के छूटे हुए पात्र मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने में ।हयोग करने का आग्रह किया है।प्रशासन ने भी सभी पात्र नागरिकों से इस विशेष कैंप का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने और आवश्यक त्रुटियों में सुधार कराने की अपील की है।

बदलेगा मौसम का मिजाज, 20 नवंबर को चार जिलों में बारिश का येलो अलर्ट

पहले गिरेगा तापमान, फिर बादलों की आवाजाही के साथ बारिश के आसार

मेट्रो रेज



रांची : झारखंड में आने वाले दिनों में मौसम के दो अलग-अलग रंग देखने को मिल सकते हैं। एक ओर सुबह और रात के तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ेगी, वहीं दूसरी ओर 19 नवंबर से बादलों की आवाजाही और बारिश की गतिविधियां मौसम का मिजाज बदल सकती हैं। मौसम विभाग ने 20 नवंबर को राज्य के चार जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

फिलहाल राज्य में सुबह और रात के समय ठंड का एहसास बढ़ रहा है। हालांकि, दोपहर में धूप निकलने से लोगों को राहत मिल रही है। मौसम विज्ञान केंद्र, रांची के अनुसार, 17 नवंबर को राज्य के अधिकांश हिस्सों में सुबह कोहरा या धुंध छाई रह सकती है। दिन चढ़ने के साथ मौसम साफ होने की संभावना है, जबकि दोपहर या शाम में कुछ स्थानों पर आंशिक बादल छा सकते हैं।

अगले चार दिनों में गिरेगा तापमान: मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे तक अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसके बाद चार दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। वहीं, अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान भी धीरे-धीरे 3 से 4 डिग्री तक नीचे जा सकता है। इससे सुबह और देर रात ठंड का असर बढ़ेगा।

हालांकि, तापमान में यह गिरावट लंबे समय तक बनी नहीं रहेगी। पूर्वानुमान के मुताबिक, इसके बाद अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में फिर 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हो सकती है।

रांची में 27 डिग्री रह सकता है अधिकतम तापमान: राजधानी रांची में 17 नवंबर को अधिकतम तापमान करीब 27 डिग्री और न्यूनतम तापमान 14 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। दिन में मौसम सामान्य रहने की संभावना है, जबकि सुबह और रात में हल्की ठंड महसूस होगी।

19 नवंबर से बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार: मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, 18 नवंबर तक राज्य में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहेगा। इस दौरान सुबह कोहरा या धुंध और कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। इसके बाद 19 नवंबर से मौसम में बदलाव की संभावना है। इस दिन राज्य के दक्षिणी हिस्सों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन हो सकता है।

20 नवंबर को भी राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहने के आसार हैं। दक्षिणी और उससे सटे मध्य झारखंड के कुछ इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। इसे देखते हुए पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इसके बाद 21 नवंबर को मध्य और उससे सटे पश्चिमी झारखंड में, जबकि 22 नवंबर को दक्षिणी और उससे सटे मध्य झारखंड में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान का भी असर: बंगाल की खाड़ी में विकसित हो रहे चक्रवाती तूफान के कारण भी झारखंड के मौसम में बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। हालांकि, इसका राज्य पर सीधे प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। इसके बावजूद तूफान के प्रभाव से राज्य के दक्षिणी और मध्य हिस्सों में बादल छाने, बारिश और मेघ गर्जन की गतिविधियां बढ़ सकती हैं।

फार्मेसी काउंसिल अध्यक्ष की नियुक्ति पर विवाद बर्खास्तगी की मांग को लेकर छात्र संघ का आंदोलन

तीन दिवसीय आंदोलन शुरू, 19 नवंबर तक काला बिल्ला लगाकर काम करेंगे सदस्य



रांची : झारखंड फामेर्सी काउंसिल के अध्यक्ष विमलेश दूबे की नियुक्ति को लेकर विवाद गहरा गया है। फामेर्सी छात्र संघ ने नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए अध्यक्ष की बर्खास्तगी की मांग की है। संघ का आरोप है कि अध्यक्ष की नियुक्ति से संबंधित अधिसूचना राज्य सरकार की ओर से जारी नहीं की गई है। इसके विरोध में संघ ने तीन दिवसीय आंदोलन शुरू किया है।

आंदोलन के पहले दिन संघ के सदस्यों ने काला बिल्ला लगाकर काम किया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत सदस्य 19 नवंबर तक काला बिल्ला लगाकर विरोध दर्ज कराएंगे।

फामेर्सी छात्र संघ का कहना है कि काउंसिल के अध्यक्ष की नियुक्ति ऐसे रजिस्ट्रार ने की है, जिनका कार्यकाल काफी पहले समाप्त हो चुका है। स्वास्थ्य विभाग ने प्रशांत पांडेय को अक्टूबर 2024 में छह महीने के लिए काउंसिल का रजिस्ट्रार नियुक्त किया था। संघ का आरोप है कि सरकार ने उनके कार्यकाल का विस्तार नहीं किया, इसके बावजूद वह रजिस्ट्रार के रूप में काम कर रहे हैं। संघ के अनुसार, प्रशांत पांडेय ने अक्टूबर 2025 में अपने स्तर से विमलेश दूबे को काउंसिल का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया। छात्र संघ का यह भी दावा है कि नियमानुसार फार्मासिस्ट को ही काउंसिल का अध्यक्ष नियुक्त किया जा सकता है, जबकि विमलेश दूबे फार्मासिस्ट नहीं हैं।

संघ ने नियुक्ति प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाते हुए अध्यक्ष को पद से हटाने और पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है।

अनुष्का चक्रवर्ती हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग, राज्यपाल से मिले झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधि

रांची : झारखंड आंदोलनकारी की पुत्री एवं अधिवक्ता स्व. अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध मौत के मामले में न्याय की मांग को लेकर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के संस्थापक पुष्कर महतो के नेतृत्व में उनके पिता सुनील चक्रवर्ती ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को त्राहिमाम पत्र सौंपा है। मोर्चा के संस्थापक एवं प्रधान सचिव पुष्कर महतो के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। सुनील चक्रवर्ती ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी की उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने मिलकर हत्या कर दी तथा घटना को आत्महत्या का रूप देने के उद्देश्य से शव को फांसी के फंदे से लटका दिया। उन्होंने पत्र में घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने और उन्हें नष्ट करने का प्रयास किए जाने का भी आरोप लगाया है।

उन्होंने मामले में पुलिस की धीमी कार्रवाई पर चिंता जताते हुए कहा कि कानूनी प्रक्रिया में अनावश्यक देरी हो रही है और आरोपियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। सुनील चक्रवर्ती ने राज्यपाल से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सीबीआई अथवा किसी स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांच एजेंसी से कराने की मांग की। साथ ही फरार आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी सुनिश्चित करने और उन्हें संरक्षण देने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई करने का आग्रह किया।

एसआईआर के विशेष कैंप में छूटे मतदाताओं को मिलेगा एक और मौका : शाहदेव

कांग्रेस ने पात्र नागरिकों से बूथों पर पहुंचकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की अपील की



रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि एसआईआर-2026 के तहत 18 नवंबर को राज्य में एक और अवसर विशेष कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कैंप में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के साथ बूथ लेवल एजेंट-2 (बीएलए-2) भी मौजूद रहेंगे। उन्होंने सभी पात्र मतदाताओं से इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने-अपने मतदान केंद्रों पर पहुंचने की अपील की है।

लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि वैसे पात्र भारतीय नागरिक, जिनका नाम किसी कारणवश एएसडीडी सूची में चिह्नित हो गया है, उन्हें भी इस कैंप के माध्यम से अपनी स्थिति स्पष्ट करने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा ऐसे पात्र नागरिक, जिन्हें दूसरी बार नोटिस मिलने के बावजूद वे उपस्थित नहीं हो सके हैं, वे भी इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वैसे युवा भी इस अभियान के तहत अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज करा सकते हैं, जो 1 अक्टूबर 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके हैं, लेकिन अब तक मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं हुए हैं।

आदिवासी बेटियों के खिलाफ अपराध और पत्रकारों के उत्पीड़न का मामला राज्यपाल के समक्ष उठा

भाजपा एसटी मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने की उच्चस्तरीय निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग



मेट्रो रेज

रांची : राज्य में महिलाओं, विशेषकर आदिवासी बेटियों के खिलाफ कथित अपराधों, पॉक्सो अधिनियम से जुड़े मामलों, पुलिस प्रशासन की भूमिका और पत्रकारों के उत्पीड़न के आरोपों को लेकर भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, झारखंड प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने इन मामलों में उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराने के साथ दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की।

लोक भवन की ओर से मंगलवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपे गए ज्ञापन में सिमडेगा की एक नाबालिग आदिवासी किशोरी के कथित यौन शोषण का मामला उठाया। इस मामले में कांग्रेस विधायक भूषण बाड़ा के विरुद्ध दर्ज प्राथमिकी पर निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में पीड़िता को कथित रूप से आरोपी विधायक के आवास पर ले जाने तथा उस पर दबाव बनाए जाने की आशंका जताई गई। प्रतिनिधिमंडल ने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने के साथ पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

प्रतिनिधिमंडल ने युवा आदिवासी नेत्री निशा कुमारी भगत की मृत्यु का मामला भी उठाया। ज्ञापन में उनकी मृत्यु से पूर्व की गई शिकायतों, भूमि विवाद से जुड़े आरोपों और प्रशासनिक कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को सामने लाने की मांग की गई। इसके अलावा सरायकेला-खरसावां जिले के गम्हरिया थाना परिसर में एक महिला के साथ पुलिसकर्मी द्वारा कथित दुष्कर्म तथा गोड्डा जिले के सुंदरपहाड़ी क्षेत्र में एक मिशन से जुड़े व्यक्ति पर आदिवासी महिला के यौन शोषण के आरोपों का भी उल्लेख किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने दोनों मामलों की निष्पक्ष जांच कर पीड़ित महिलाओं को न्याय और सुरक्षा दिलाने की मांग की।

ज्ञापन में कांग्रेस विधायक से संबंधित मामले को सार्वजनिक करने वाले पत्रकारों तथा संबंधित न्यूज चैनल के कार्यालय के विरुद्ध की गई पुलिस कार्रवाई पर भी चिंता जताई गई। प्रतिनिधिमंडल ने इस कार्रवाई की निष्पक्ष समीक्षा कराने और यदि किसी प्रकार का दुर्भावनापूर्ण उत्पीड़न प्रमाणित होता है।

वैश्य मोर्चा की 71 सदस्यीय केंद्रीय कमेटी घोषित, कई नए चेहरों को मिला मौका

20 दिसंबर को रांची में होगा पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण -वैश्यों के हक-अधिकार की लड़ाई तेज करेगा संगठन : महेश्वर साहु

मेट्रो रेज



रांची : झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की 71 सदस्यीय केंद्रीय कमेटी की घोषणा कर दी गई है। केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने मंगलवार को रांची के रेडियम रोड स्थित होटल आलोका सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संगठन के आठवें स्थापना दिवस के बाद केंद्रीय कमेटी की सूची जारी की गई है, ताकि नए, सक्रिय और समर्पित सदस्यों को संगठन में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

उन्होंने बताया कि 75 सदस्यीय केंद्रीय समिति में चार पद रिक्त रखे गए हैं। संरक्षकों, सलाहकारों, जिलाध्यक्षों एवं विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों की घोषणा तीन दिसंबर को की जाएगी। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आगामी 20 दिसंबर को रांची में आयोजित होगा।

जारी सूची के अनुसार पदाधिकारियों की सूची इस प्रकार है :

केंद्रीय अध्यक्ष : महेश्वर साहु (भुरकुंडा)।

कार्यकारी अध्यक्ष : रेखा मंडल (धनबाद), हीरानाथ साहु (कांके)।

वरीय उपाध्यक्ष : रामसेवक प्रसाद (अधिवक्ता, बरकट्ठा), संजीव चौधरी (रांची), परशुराम प्रसाद (अधिवक्ता, मोरहाबादी), सुरेश साहु (ओरमांझी), ढलन साव (बड़कागांव), शिवपूजन साहु (रातू), लक्ष्मण साहु (ओरमांझी), अश्विनी साहु (अरगोड़ा)।

केंद्रीय उपाध्यक्ष : योगेंद्र प्रसाद (अधिवक्ता, हाईकोर्ट), प्रमोद चौधरी (देवघर), अवध बिहारी प्रसाद (रातू रोड), प्रेमशंकर भगत (चंदवा), दिनेश्वर साहु (तोपा), लखन अग्रवाल (गोला), दिनेश्वर मंडल (गोमिया)।

प्रधान महासचिव : वीरेंद्र कुमार (गोला)।

उप प्रधान महासचिव : उपेंद्र प्रसाद (बिजूपाड़ा), अशोक गुप्ता (ओरमांझी)।

केंद्रीय महासचिव : आदित्य नारायण प्रसाद (बलकुदरा), दिलीप प्रसाद (धुर्वा), कपिल प्रसाद साहु (रांची), रामेश्वर मंडल (कथारा), विष्णु मंडल (घोरमारा), रामाशंकर राजन (हेसालौंग), चतुर साहु (चटूपालू), इंदुभूषण गुप्ता (रातू रोड)।

केंद्रीय संगठन महासचिव : कृष्णा साहु केशरी (कांके), अनिल वैश्य (पंडरा), जगदीश प्रसाद साहु (लोहरदगा), बसंत प्रसाद साहु (कुजू), मनोज कुमार (धुर्वा)।

मुख्य प्रवक्ता : रोहित कुमार साहु (ओरमांझी)।

प्रवक्ता : राजीव राज (रातू रोड), शिव प्रसाद साहु (ओरमांझी)।

केंद्रीय सचिव : गुड्डू साहा (पंडरा), राजेंद्र साहु (टंडवा), दीपक गुप्ता (मोरहाबादी), ध्रुव साह (देवघर)।

केंद्रीय संगठन सचिव : विश्वामित्र गुप्ता बाचल (भदानीनगर), लगनू साहु (बुड़मू), दिवाकर साहु (आनंदी), कुशेश्वर चौधरी (धुर्वा), राजीव कुमार (सिमरिया), मुरलीधर प्रसाद (रातू रोड)।

कोषाध्यक्ष : राजेंद्र प्रसाद साहु (बुकरू)।

मीडिया प्रभारी : राहुल कुमार साहु (कांके)।

कार्यकारिणी सदस्य : डॉ. अरविंद कुमार (कांके), दीपेंद्र प्रसाद (चाईबासा), फौजी विजय कुमार (हिनू), जेपी अग्रवाल (भुरकुंडा), राजेश प्रसाद साहु (पालू), महावीर साहु (बुड़मू), नरेश साहु (सुकुरहुट्टू), हलधर साहु (कांके), भुवनेश्वर साव (भुरकुंडा), योगेंद्र प्रसाद साहु (ओरमांझी), अधिवक्ता मीनू कुमारी (पोचरा), दीपारानी कुंज (धुर्वा), मुकेशलाल सिंदूरिया (भुरकुंडा), आदित्य पोद्दार (कांके), युवराज कुमार (अरगोड़ा), पवन कुमार (बारियातू), गीता देवी (बड़कागांव), उर्मिला देवी (रामगढ़), प्रीति साहा (टंडवा), श्रीनिवास अग्रवाल (भुरकुंडा), मनोज चौरसिया (रांची) एवं आलोक कुमार साहु (आनंदी)।

इस अवसर पर केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि किसी भी लड़ाई को लड़ने के लिए संगठन का मजबूत होना जरूरी है। केंद्रीय कमेटी में शामिल किए गए सभी लोग समाज के प्रति चिंतित और समर्पित हैं। इनमें कई झारखंड आंदोलनकारी भी शामिल हैं। अब वैश्यों के हक-अधिकार, रोजगार और सम्मान की लड़ाई को और तेज किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वैश्य मोर्चा राज्य में रहने वाली लगभग 40 प्रतिशत वैश्य आबादी का अग्रणी संगठन है। जब नेता, विधायक, सांसद और राजनीतिक दल इतनी बड़ी आबादी की समस्याओं को अनसुना कर देते हैं, तब वैश्य मोर्चा उनकी आवाज बनता है। संगठन वैश्यों के पहरेदार और रक्षक के रूप में हमेशा खड़ा रहता है। महेश्वर साहु ने कहा कि झारखंड के निर्माण से लेकर उसे संवारने तक में वैश्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रही है, लेकिन पिछले 26 वर्षों में वैश्य और ओबीसी समाज के साथ लगातार अन्याय हुआ है। वैश्य मोर्चा संविधान और लोकतंत्र में विश्वास करता है। महात्मा गांधी, डॉ. राममनोहर लोहिया और शहीद भगत सिंह उसके आदर्श हैं।

उन्होंने कहा कि समाज अपने अधिकार और सम्मान के लिए आखिरी दम तक संघर्ष करेगा। आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जाएगा। अपनी मांगों को लेकर विधानसभा के विशेष सत्र के दौरान वैश्य मोर्चा धरना-प्रदर्शन भी करेगा।

सूक्ति

सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर

एक सर्वर की खामोशी से ठहर गई दुनिया

भारत सहित दुनिया में करोड़ों कम्प्यूटर गुरुवार रात करीब 11 बजे ठप हो गए। माइक्रोसॉफ्ट के इंजन में गड़बड़ी के कारण माइक्रोसॉफ्ट की 'टीम', 'आउटलुक' और 'को-पॉयलट' सहित कई सेवाएं प्रभावित हुईं। यह कोई मामूली गड़बड़ी नहीं है। दुनिया के 74 से ज्यादा देश इससे परेशान हुए। माइक्रोसॉफ्ट 365 के करीब 43 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। इसके प्रभाव का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि स्कूलों को अभिभावकों से कहना पड़ा कि ई-मेल नहीं, फोन करें। ब्रिटिश संसद को वैकल्पिक संचार-व्यवस्था अपनानी पड़ी। बैंकिंग और हवाई सेवाओं पर भी असर दिखा। भारत में प्रमुख एयरलाइनों ने अपने ग्राहकों से कहा कि वह ई-मेल पर संपर्क नहीं कर पाएगी। दफ्तरों में काम प्रभावित हुआ। भारत के लिए यह चेतावनी और भी गंभीर है। दुनियाभर के ग्राहकों को चौबीसों घंटे सेवा देने वाली हमारी आइटी और बीपीओ कंपनियां संवाद के लिए इन्हीं साधनों पर निर्भर हैं।

'चैटजीपीटी' और 'क्लॉड' जैसे एआइ सहायकों के माइक्रोसॉफ्ट 365 कनेक्टर भी इस आउटेज में प्रभावित हुए। नतीजतन एक कड़ी टूटी तो पूरा सिस्टम हिल गया। इससे आर्थिक नुकसान का अंदाजा लगाना मुश्किल है।ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। जनवरी 2023 में नेटवर्क कॉन्फिगरेशन की गड़बड़ी से और नवंबर 2024 में एक्सचेंज ऑनलाइन की दिक्कत से दुनियाभर में 'आउटलुक' और 'टीम' सेवाएं ठप हुई थीं। इसी वर्ष जनवरी में भी दो अलग दिनों पर ऐसा ही हुआ। बार-बार दोहराई जाने वाली चूक को 'तकनीकी खामी' कहकर टाल देना जिम्मेदारी से मुंह मोड़ना है। हैरानी की बात यह भी है कि 15 घंटे से ज्यादा तक इस समस्या पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। तकनीकी गड़बड़ी पर नियंत्रण पाने में इतना लंबा समय कभी नहीं लगा था। शुक्रवार शाम तक सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि नहीं हुई थी। इसकी सबसे ज्यादा कीमत छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप्स को चुकानी पड़ती है, जिनके पास न अलग आइटी टीम होती है, न वैकल्पिक व्यवस्था। यह समस्या समय के साथ गुजर जाएगी पर सवाल यह है कि हम इसके मुकाबले के लिए कितने तैयार होंगे? डिजिटल इंडिया की इमारत तभी टिकाऊ होगी जब उसकी नींव झटके सह सके। कुछ जरूरी उपाय करने होंगे। माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां ऐसे आउटेज के वास्तविक कारणों का खुलासा करे ताकि देश उसके लिए तैयार रह सकें। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती धमक में इंसानी इंटेलिजेंस की उपेक्षा न हो। हर संस्था के पास आपात संचार व्यवस्था हो। वैकल्पिक ई-मेल, मैसेजिंग ऐप और फोन का नियमित अभ्यास चलता रहे। जरूरी दस्तावेज और संपर्क ऑफलाइन भी सहेजे जाएं। अहम सेवाओं में एक ही विदेशी प्लेटफॉर्म पर निर्भरता घटाई जाए और मल्टी-क्लाउड की रणनीति अपनाते हुए भरोसेमंद स्वदेशी विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। फ्रांस और जर्मनी ने इसकी शुरूआत भी कर दी है।

श्रमिकों की सुरक्षा में कोताही चिंताजनक

भारत दुनिया का विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर तक, दुनिया की बड़ी कंपनियों को भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। सरकार निवेश के लिए जमीन, बिजली, रियायतें और सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, लेकिन तमिलनाडु के होसुर में आईफोन बनाने वाली इकाई से जुड़ी औद्योगिक दुर्घटना ने इस विकास की एक दूसरी तस्वीर भी सामने रखी है। अपशिष्ट जल संयंत्र की टंकी में काम करने के दौरान तीन ठेका कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई। शुरूआती जांच में सुरक्षा इंतजामों की कमी की बात सामने आई है। ऐसे हादसों से यह सवाल उठना लाजिमी है कि उत्पादन बढ़ाने की इस दौड़ में क्या श्रमिकों की सुरक्षा भी उतनी ही प्राथमिकता में है? यह कोई ऐसा खतरा नहीं था, जिसके बारे में दुनिया को जानकारी न हो। बंद टंकियों, सीवेज चैंबर और औद्योगिक अपशिष्ट संयंत्रों में जहरीली गैसों का जोखिम लंबे समय से पहचाना गया है। अमरीका के व्यावसायिक सुरक्षा मानकों में ऐसी जगहों पर प्रवेश से पहले गैस और ऑक्सीजन की जांच, पर्याप्त वेंटिलेशन, लिखित अनुमति, बाहर निगरानी करने वाले प्रशिक्षित कर्मचारी और आपातकालीन बचाव की व्यवस्था अनिवार्य है।

एप्पल के अपने सप्लायर सुरक्षा मानक भी बंद जगहों में काम करने के जोखिम और सुरक्षा प्रक्रियाओं को रेखांकित करते हैं। इसके बावजूद उसके भारतीय सप्लाई नेटवर्क से जुड़ी इकाई में ऐसी घटना होना गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या सुरक्षा मानकों का पालन केवल मुख्य उत्पादन इकाई तक सीमित है? क्या ठेकेदारों और उपठेकेदारों के स्तर पर भी इनकी पालना उतनी ही सख्ती से लागू हो पाती है? भारत में भी औद्योगिक सुरक्षा के लिए कानून और नियमों की कमी नहीं है। समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। ठेका श्रमिकों के मामले में यह जिम्मेदारी अक्सर कई एजेंसियों के बीच बंट जाती है। काम किसी ठेकेदार को दिया जाता है, वह आगे किसी दूसरी एजेंसी को सौंप देता है और दुर्घटना होने पर जवाबदेही की परतें खुलने लगती हैं। लेकिन किसी भी श्रमिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी इस तरह एक-दूसरे पर नहीं डाली जा सकती। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि टंकी में प्रवेश की अनुमति किसने दी, गैस की जांच हुई या नहीं, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध थे या नहीं और आपातकालीन बचाव की व्यवस्था क्यों प्रभावी नहीं रही। निवेश आकर्षित करना विकास का एक पक्ष है, सुरक्षित रोजगार देना उसकी अनिवार्य शर्त। बड़ी कंपनियों को सुविधाएं देने के साथ उनके सप्लायरों और ठेकेदारों के सुरक्षा रिकॉर्ड की भी नियमित जांच होनी चाहिए। निरीक्षण दुर्घटना के बाद नहीं, दुर्घटना रोकने के लिए होने चाहिए। उत्पादन के लक्ष्य और निवेश के आंकड़े तभी सार्थक हैं, जब श्रमिक सुरक्षित घर लौट सकें।

छोटे बच्चों में इतनी हिंसा आखिर आ कहां से रही है?

'सुरक्षा का मतलब सिर्फ स्कूल के गेट पर गार्ड या दीवार पर सीसीटीवी लगाना नहीं है। घटना को कैमरा रिकॉर्ड कर सकता है, लेकिन कक्षा और खेल के मैदान में बच्चों के बीच क्या चल रहा है, यह कौन देखेगा? किस बच्चे को लगातार परेशान किया जा रहा है और शिकायत करने पर उसकी बात सुनी जाती है या नहीं? राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 2024 में स्कूलों के लिए बुलिंग और साइबर बुलिंग रोकने के दिशा-निर्देश जारी किए थे। शिक्षा का अधिकार कानून भी स्कूलों में शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाता है।'

डॉ. अश्वनी पाराशर

गत दिनों पंचकूला के एक सरकारी स्कूल में आठ साल के छात्र ने अपनी छह साल की सहपाठी की बेरहमी से पिटाई कर दी। बच्ची गंभीर रूप से घायल हुई और उसे पीजीआई, चंडीगढ़ में भर्ती कराना पड़ा। घटना के बाद स्कूल की प्रिंसिपल और दो शिक्षकों को निलंबित किया गया तथा प्रिंसिपल, एक क्लास इंचार्ज और चौकीदार के खिलाफ लापरवाही की एफआइआर दर्ज हुई। घटना की वजह जांच से सामने आएगी, इसलिए कयास लगाना ठीक नहीं। लेकिन इसने एक सवाल जरूर खड़ा किया है। बच्चों के बीच हिंसा की जगह कैसे बन रही है? क्या इसका जवाब सिर्फ उस बच्चे, उसके माता-पिता या स्कूल को जिम्मेदार ठहराने में मिल जाएगा?

बच्चों के व्यवहार को समझने के लिए मनोवैज्ञानिक अल्बर्ट बंडूरा का 1961 में किया गया बोबो डॉल प्रयोग उपयोगी है। इसमें बच्चों ने एक वयस्क को खिलौने के साथ आक्रामक व्यवहार करते देखा और बाद में कई बच्चों ने वैसा ही व्यवहार दोहराया। इसका मतलब यह नहीं कि हिंसक फिल्म या वीडियो गेम देखने वाला हर बच्चा हिंसक हो जाएगा, लेकिन आसपास का व्यवहार असर जरूर छोड़ता है। घर में बड़ों का गुस्सा, फिल्मों और वीडियो गेम्स में दिखाई जाने वाली हिंसा और सोशल मीडिया पर मारपीट के वीडियो, बच्चा इन सबको देख रहा होता है। आज सवाल सिर्फ स्क्रीन टाइम का नहीं, स्क्रीन पर दिखने वाली चीजों और उन्हें बार-बार सामने लाने वाले एल्गोरिदम का भी है। बच्चा किसी हिंसक वीडियो को देर तक देखता है या उससे जुड़े वीडियो पर रुकता है, तो प्लेटफॉर्म का एल्गोरिदम इसे उसकी रुचि का संकेत मान सकता है। इसके बाद उसकी फीड में उसी तरह के और वीडियो आने लगते हैं। धीरे-धीरे बच्चे को खुद भी पता नहीं चलता कि कब वह इस तरह के कंटेंट को बार-बार देखने का आदी हो गया। इसी चिंता के बीच ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2025 से 16 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट पर रोक लागू की। इस मॉडल में कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी बच्चों या उनके माता-पिता के बजाय सोशल मीडिया कंपनियों की है। कंपनियां जरूरी कदम नहीं उठातीं, तो उन पर जुमार्ना लगाया जा सकता है। मीडिया की भी जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं के वीडियो बार-बार न दिखाए। हर झगड़ा या मारपीट बुलिंग नहीं होती। बुलिंग तब होती है जब किसी बच्चे को बार-बार निशाना बनाया जाए, डराया या अपमानित किया जाए और ऐसा करने वाला अपनी ताकत या समूह का इस्तेमाल करे। शरीर, रंग, भाषा, परिवार या पढ़ाई को लेकर लगातार चिढ़ाना भी बुलिंग है। ऑनलाइन बार-बार अपमानित करना या धमकाना साइबर बुलिंग कहलाता है। इसमें आसपास खड़े बच्चों की भूमिका भी अहम होती है। वे हंसते हैं या चुप रहते हैं, तो बुलिंग करने वाले को हिम्मत मिलती है। ऐसे समय वीडियो बनाने के बजाय किसी भरोसेमंद बड़े को बताना चाहिए। मेरी ओपीडी में एक बच्ची बार-बार पेट दर्द और उल्टी की शिकायत लेकर आ रही थी। जांच में कोई साफ शारीरिक वजह नहीं मिली। बाद में बातचीत में पता चला कि स्कूल के कुछ बच्चे उसे वजन को लेकर मोटी-मोटी कहकर चिढ़ाते थे। वह स्कूल जाने से डरने लगी थी और चुप रहने लगी थी। सुरक्षा का मतलब सिर्फ स्कूल के गेट पर गार्ड या दीवार पर सीसीटीवी लगाना नहीं है। घटना को कैमरा रिकॉर्ड कर सकता है, लेकिन कक्षा और खेल के मैदान में बच्चों के बीच क्या चल रहा है, यह कौन देखेगा? किस बच्चे को लगातार परेशान किया जा रहा है और शिकायत करने पर उसकी बात सुनी जाती है या नहीं? राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने 2024 में स्कूलों के लिए बुलिंग और साइबर बुलिंग रोकने के दिशा-निर्देश जारी किए थे। शिक्षा का अधिकार कानून भी स्कूलों में शारीरिक दंड और मानसिक उत्पीड़न पर रोक लगाता है। एनसीपीसीआर के दिशा-निदेर्शों के तहत स्कूलों में एंटी-बुलिंग समिति, शिकायत व्यवस्था और काउंसलिंग की व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षकों को बुलिंग की पहचान करने और शिकायतों को संवेदनशीलता से संभालने का प्रशिक्षण भी मिलना चाहिए। शिकायत मिलने पर बच्चे की बात सुनी जाए, जरूरत पड़ने पर काउंसलर की मदद ली जाए और बार-बार आक्रामक व्यवहार दिखाने वाले बच्चे को भी उचित सहयोग मिले। ऐसे प्रयास कितने असरदार हो सकते हैं, इसका उदाहरण फिनलैंड का कीवा कार्यक्रम है। इसमें बुलिंग करने वाले बच्चे पर कार्रवाई के साथ पूरी कक्षा को शामिल किया जाता है, क्योंकि बुलिंग को बढ़ावा देने में उन बच्चों की भी भूमिका होती है जो इसे देखते हैं, हंसते हैं या चुप रहते हैं। 78 स्कूलों के 8,237 बच्चों पर किए गए मूल्यांकन में कीवा कार्यक्रम लागू होने के बाद बुलिंग करने और उसका शिकार होने, दोनों घटनाओं में कमी दर्ज की गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन का इंस्पायर ढांचा भी हिंसा रोकने के लिए कानून, सुरक्षित माहौल, माता-पिता के सहयोग और बच्चों के जीवन-कौशल जैसे कई स्तरों पर एक साथ काम करने की जरूरत बताता है।

किसानों को प्रत्यक्ष सबसिडी देने की दरकार

'दूसरा, भारत में बड़ी तादाद में पशु धन है और जैविक खाद के उत्पादन के लिए अभी तक अधिक प्रोत्साहन नहीं होने के कारण पशुधन का गोबर बेकार चला जाता है। लेकिन किसान को उर्वरक सबसिडी प्रत्यक्ष रूप से मिलने के कारण, वे जब जैविक खाद का ज्यादा उपयोग करेंगे तो जैविक खाद के उत्पादन हेतु प्रोत्साहन होगा और देश में गोबर का बेहतर उपयोग हो सकेगा।'

डा. अश्विनी महाजन

भारत में कृषि सबसिडी के कई प्रकारों में से एक महत्वपूर्ण प्रकार, इनपुट सबसिडी है। इनपुट सबसिडी में, उर्वरक सबसिडी सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती है। गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 के संशोधित अनुमानों के अनुसार कुल कृषि सबसिडी 414614 करोड रुपए रही, जिसमें उर्वरक सबसिडी 186460 करोड रुपए रही। उर्वरक सबसिडी में अधिकांश न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी है और एक अन्य प्रकार यूरिया सबसिडी है। इस वर्ष खरीफ मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी के लिए 41533.81 करोड रुपए का प्रावधान केंद्रीय कैबिनेट ने किया, जो कि पिछले खरीफ मौसम (2025) में 37216.15 करोड रुपए से 4317.66 करोड़ रुपए अधिक था। रबी के मौसम के लिए न्यूट्रीएंट आधारित सबसिडी की घोषणा अभी बाकी है। वर्ष 2026-27 के लिए यूरिया सबसिडी के लिए 116799 करोड़ रुपए का अलग से प्रावधान किया गया है। पहले तो उर्वरक सबसिडी देने का तरीका भिन्न था, लेकिन वर्ष 2010 में इसे न्यूट्रिएंट आधारित कर दिया गया था, जिसके अनुसार चार पोषक तत्वों- नाईट्रोजन, फास्फोरस, पोटाश और सल्फर, के आधार पर सबसिडी निर्धारित करना शुरू किया गया। ऐसा समझा गया कि न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने से उर्वरकों का संतुलित उपयोग होगा, मृदा यानी मिट्टी की सेहत बेहतर होगी और घरेलू उर्वरकों का उपयोग बढ़ेगा। लेकिन देखा गया कि उसके बावजूद कंपनियों के माध्यम से उर्वरक सबसिडी बदस्तूर जारी रही, आयातों पर निर्भरता बढ़ती रही और घरेलू उर्वरकों का उपयोग नहीं बढ़ पाया। लेकिन 2010 से पहले भी और 2010 में न्यूट्रिएंट आधारित सबसिडी देने के बाद भी सबसिडी सीधे किसानों को नहीं, बल्कि कंपनियों को दी जाती रही है।

कंपनियों को सबसिडी उनके द्वारा बिक्री किए गए उर्वरकों के आधार पर दी जाती है। किसानों की हमेशा शिकायत रहती है कि कंपनियों को दी जाने वाली उर्वरक सबसिडी से लाभ किसानों को कम और कंपनियों को फायदा होता है। उर्वरक कंपनियां चाहे सहकारी क्षेत्र में हों, सरकारी हों अथवा निजी क्षेत्र में, सभी के लाभ ऊंचे बने हुए हैं और किसानों की मुश्किलें लगातार बरकरार हैं। उसको समय पर उर्वरक नहीं मिलते हैं और अन्यान्य कारणों से उसकी लागत तो लगातार बढ़ ही रही है, उसके लाभ कम होते जा रहे हैं और ऐसा माना जा रहा है कि कृषि लाभ का सौदा नहीं रही। लंबे समय से किसानों की मांग रही है कि उर्वरक सबसिडी सीधे किसानों को मिलनी चाहिए, न कि कंपनियों के माध्यम से। लेकिन ऐसा अभी तक नहीं हो सका। पूर्व में सभी प्रकार की सबसिडी व्यावहारिक कारणों से अप्रत्यक्ष रूप से मिलती थी और बिचैलियों के कारण लाभार्थी को उनका पूरा लाभ नहीं मिल पाता था। लेकिन आज तकनीकी विकास से यह संभव हो सका है कि विभिन्न प्रकार की सबसिडी सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में पहुंच सके। जनधन बैंक खाते, आधार और मोबाइल बैंकिंग यानी ह्यजैम त्रेह्व के कारण ऐसा संभव हो सका है। किसान सम्मान निधि आज सीधे किसान के खाते में पहुंच रही है। ऐसे में ऐसी व्यवस्था बनाने की मांग हो रही है जिससे किसानों को उर्वरक सबसिडी भी सीधे तौर पर पहुंच सके। यदि ऐसा संभव हो सके तो किसानों को तो फायदा होगा ही, क्योंकि लगभग वो हिस्सा जो कंपनियों के खाते में जाता है, वो किसानों तक पहुंच सकेगा। इसके साथ कृषि को भी फायदा होगा और देश के धन का सही उपयोग हो सकेगा। सबसे पहला लाभ तो यह होगा कि किसानों को सबसिडी के कारण जो रासायनिक उर्वरक इस्तेमाल करना सस्ता पड़ता है, अब वह अपनी आवश्यकता के अनुसार गैर रासायनिक यानी जैविक उर्वरक अपना सकेंगे। यह सर्वथा सिद्ध है कि रासायनिक उर्वरकों के उपयोग से होने वाले उत्पादों के बजाय उपभोक्ता स्वास्थ्य कारणों से जैविक खाद द्वारा उत्पादित कृषि वस्तुओं को ही ज्यादा पसंद करते हैं।

दूसरा, भारत में बड़ी तादाद में पशु धन है और जैविक खाद के उत्पादन के लिए अभी तक अधिक प्रोत्साहन नहीं होने के कारण पशुधन का गोबर बेकार चला जाता है। लेकिन किसान को उर्वरक सबसिडी प्रत्यक्ष रूप से मिलने के कारण, वे जब जैविक खाद का ज्यादा उपयोग करेंगे तो जैविक खाद के उत्पादन हेतु प्रोत्साहन होगा और देश में गोबर का बेहतर उपयोग हो सकेगा। इसका तीसरा लाभ यह होगा कि जैविक खाद का उत्पादन ज्यादा होने के कारण किसान गोबर के लिए ज्यादा पशु रखना चाहेंगे। इससे देश में डेयरी उत्पादन भी बढ़ सकेगा, जिससे किसान की आमदनी और बढ़ सकेगी। चौथे, रासायनिक उर्वरकों पर सबसिडी के चलते इन उर्वरकों का वैज्ञानिक और आर्थिक आधार पर इष्टतम उपयोग नहीं हो पाता और देश के संसाधन बर्बाद हो जाते हैं। लेकिन यदि किसान के खाते में सबसिडी पहुंचे तो वह अधिक वैज्ञानिक और आर्थिक दृष्टि से उपयुक्त मात्रा में उर्वरकों का इस्तेमाल करेगा। पांचवां, सबसिडी के बल पर कृषि भूमि पर ज्यादा रासायनिक उर्वरकों के इस्तेमाल से अन्य पोषक तत्व (न्यूट्रिएंट्स), जो कृषि के लिए उपयोगी होते हैं, की लगातार कमी हो रही है। गौरतलब है कि कृषि को अनेक (लगभग 16) प्रकार के न्यूट्रिएंट्स खाद के रूप में आवश्यक हैं। लगातार कृषि करने से उन न्यूट्रिएंट्स की कमी की भरपाई करना जरूरी हो जाता है, लेकिन सरकार की वर्तमान सबसिडी व्यवस्था के अंतर्गत कुछ ही न्यूट्रिएंट्स की भरपाई संभव हो पाती है। अंत में, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसानों के खाते में सीधे सबसिडी देकर, हम कृषि में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दे सकते हैं। इससे मुख्य रूप से आयातित उर्वरकों पर निर्भरता कम होगी। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा आयातित उर्वरकों पर खर्च होती है और यह खर्च हर साल बढ़ता ही जा रहा है। 2025-26 में, रासायनिक उर्वरकों का कुल आयात 14.2 अरब अमेरिकी डॉलर था।

कैसे मिले किसान को सीधे सबसिडी : हालांकि यह सच है कि वर्तमान प्रणाली ने उर्वरकों की उपलब्धता और उन्हें किफायती बनाए रखना सुनिश्चित किया है, फिर भी इसे और अधिक पारदर्शी, कुशल और किसान-केंद्रित बनाने की गुंजाइश है। भुगतान प्रणाली में पिछले एक दशक में आए सुधारों के कारण अब सरकार धीरे-धीरे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) प्रणाली की ओर बढ़ सकती है, जिसके तहत पात्र उर्वरक सब्सिडी सीधे किसानों के बैंक खातों या डिजिटल उर्वरक वॉलेट में जमा हो सके। सत्यापित खेती के रिकॉर्ड और बैंक खातों से जोड़ते हुए प्रत्येक पात्र किसान को एक डिजिटल उर्वरक सबसिडी कार्ड दिया जा सकता है। सबसिडी की पात्रता का निर्धारण खेती के रकबे, फसल पैटर्न, मौसम और पोषक तत्वों की अनुशंसित आवश्यकताओं के आधार पर तय हो सकता है। इसमें बटाईदार किसानों और पट्टे पर खेती करने वालों को भी शामिल किया जाना चाहिए। सब्सिडी की राशि बुवाई के मौसम से पहले ही खाते में जमा करने वाला प्रावधान हो तो किसान बाजार मूल्य पर उर्वरक खरीद सकेंगे। इस प्रणाली को सॉइल हेल्थ कार्ड के साथ भी जोड़ा जा सकता है, ताकि पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा मिले और स्वीकृत जैविक उर्वरकों, जैव-उर्वरकों तथा मिट्टी की गुणवत्ता सुधारने वाले अन्य विकल्पों को प्रोत्साहित किया जा सके। यह बदलाव चरणबद्ध तरीके से बढ़े तो बेहतर होगा। पहले चरण में बटाईदार किसानों को भी शामिल करते हुए, किसानों का एक व्यापक डेटाबेस तैयार हो, जिसमें भूमि रिकॉर्ड, खेती का विवरण, बैंक खाते और सॉइल हेल्थ कार्ड शामिल हों। दूसरे चरण में पायलट कार्यान्वयन हो सकता है जिसमें चुनिंदा जिलों में प्रत्यक्ष सबसिडी हस्तांतरण शुरू किया जा सकता है। तीसरे चरण में पायलट कार्यान्वय के संदर्भ में डीबीटी के वित्तीय प्रभावों, किसानों की संतुष्टि, उर्वरकों की उपलब्धता, कीमतों में उतार-चढ़ाव और संभावित लीकेज आदि आकलन किया जा सकता है। अंतिम चरण में इस योजना का विस्तार हो।

ईश्वर की खोज बाहर नहीं, अपने भीतर कीजिए

चिंतन-मनन

मनुष्य का स्वभाव है कि वह जीवनभर सुख, शांति और संतोष की तलाश में भटकता रहता है। इसी तलाश में कभी मंदिरों की चौखट पर सिर झुकाता है, कभी तीर्थयात्राएं करता है तो कभी धार्मिक अनुष्ठानों और कर्मकांडों के माध्यम से ईश्वर को प्रसन्न करने का प्रयास करता है। निःसंदेह पूजा-पाठ, तीर्थाटन और धार्मिक आस्था हमारे जीवन में सकारात्मकता तथा संस्कारों का संचार करते हैं, लेकिन क्या ईश्वर की प्राप्ति का वास्तविक मार्ग केवल बाहरी साधनों तक सीमित है? सनातन दर्शन और संतों की वाणी हमें इसका उत्तर अपने अंतर्मन में तलाशने की प्रेरणा देती है। संत कबीरदास जी ने इसी शाश्वत सत्य को कितनी सहजता से व्यक्त किया है- मोको कहां ढूंढे रे बंदे, मैं तो तेरे पास में। ना मैं देवल, ना मैं मस्जिद, ना काबे कैलास में। कबीर की वाणी का आशय धार्मिक स्थलों या पूजा-पद्धतियों का विरोध करना नहीं, बल्कि मनुष्य को बाहरी आडंबरों से आगे बढकर आत्मचिंतन की प्रेरणा देना है।

जिस प्रकार कस्तूरी मृग अपनी नाभि में विद्यमान सुगंध से अनजान होकर उसे जंगल में खोजता फिरता है, उसी प्रकार मनुष्य भी अपने भीतर विद्यमान दिव्य चेतना को पहचानने के बजाय संसार में ईश्वर की तलाश करता रहता है। श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने भी परमात्मा की इसी आंतरिक उपस्थिति का उल्लेख किया है। गीता के पंद्रहवें अध्याय के पंद्रहवें श्लोक में वे कहते हैं- सर्वस्य चाहं हृदि सन्निविष्टो मत्तः स्मृतिर्ज्ञानमपोहनं च। अर्थात मैं समस्त प्राणियों के हृदय में स्थित हूं। मुझसे ही स्मृति, ज्ञान और विवेक की प्राप्ति होती है। यह संदेश स्पष्ट करता है कि ईश्वर कोई दूरस्थ सत्ता मात्र नहीं, बल्कि समस्त सृष्टि में व्याप्त परम चेतना है। अपने भीतर ईश्वर को खोजने की पहली शर्त मन की शुद्धि है। मनुष्य को अपने विचारों, व्यवहार और कर्मों का नियमित आत्मविश्लेषण करना चाहिए। यदि हमारे मन में किसी के प्रति द्वेष है, व्यवहार में छल-कपट है और कर्मों में स्वार्थ छिपा है, तो केवल पूजा-पाठ से आध्यात्मिक पूर्णता प्राप्त नहीं हो सकती। सत्य, अहिंसा, क्षमा, करुणा और विनम्रता जैसे गुणों को जीवन में अपनाना ही वास्तविक साधना है। इसके लिए ध्यान, जप और प्रार्थना को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आपके पत्र

बदलते मौसम से परेशानी

प्रकृति का मिजाज कब बदल जाए, इसका अनुमान लगाना आसान नहीं होता। कभी तेज गर्मी और कभी बेमौसमी बारिश, तो कभी अचानक आने वाले तूफान जनजीवन को प्रभावित कर देते हैं। इन दिनों बंगाल की खाड़ी में बन रहा नया मौसमी सिस्टम इसी बदलते मौसम की एक बड़ी चेतावनी है। मौसम विभाग के अनुसार बंगाल की खाड़ी में तीन सप्ताह के भीतर तीसरा चक्रवाती तूफान बनने की आशंका जताई गई है।

यदि यह सिस्टम चक्रवाती तूफान का रूप लेता है तो इसे अकवान नाम दिया जा सकता है। करीब 13 साल बाद इतनी कम अवधि में बंगाल की खाड़ी में लगातार तीन चक्रवाती तूफान बनने की स्थिति सामने आ रही है। इसने मौसम वैज्ञानिकों के साथ तटीय राज्यों की सरकारों की चिंता भी बढ़ा दी है।

आरसी वर्मा

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

इंदौर में काम करने के दौरान बूम लिफ्ट से गिरकर उधवा के प्रवासी मजदूर की मौत

10 दिन पहले रोजगार की तलाश में गया था मध्य प्रदेश तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: रोजगार की तलाश में घर-परिवार से दूर दूसरे प्रदेश गए उधवा के एक प्रवासी मजदूर की मध्य प्रदेश के इंदौर में एक हादसे में जान चली गई। निमार्णाधीन भवन में काम करने के दौरान टेलीस्कोपिक बूम लिफ्ट से नीचे गिरने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक की पहचान राधानगर थाना क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर पंचायत अंतर्गत हब्बी टोला निवासी जोलिल शेख के पुत्र शौकत शेख (28) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शौकत शेख करीब 10 दिन पूर्व रोजगार की तलाश में मध्य प्रदेश के इंदौर गया था। वहां वह एक नवनिर्मित भवन में निर्माण कार्य से जुड़ा हुआ था। बताया जाता है कि रविवार को शौकत टेलीस्कोपिक बूम लिफ्ट पर चढ़कर ऊंचाई पर काम कर रहा था। इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया



और वह लिफ्ट से नीचे गिर पड़ा। जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद वहां काम कर रहे अन्य मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई।साथियों ने तत्काल इसकी सूचना मृतक के परिजनों को दी। जैसे ही शौकत की मौत की खबर गांव पहुंची, परिवार में चीख-पुकार मच गई। जवान बेटे की असमय मौत से परिजन गहरे सदमे में हैं। शौकत अपने पीछे तीन पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गया है। परिवार के एकमात्र सहारे के चले जाने से परिजनों के सामने दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने बताया कि शौकत शेख का पार्थिव शरीर इंदौर से एंबुलेंस के माध्यम से उसके पैतृक गांव लाने की प्रक्रिया की जा रही है। शव गांव पहुंचने के बाद अंतिम संस्कार किया जाएगा।

न्यूज IN ब्रीफ

छठ महापर्व हमारी आस्था संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है : एमटी राजा



साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड अंतर्गत श्रीधर 8 नंबर कॉलोनी में लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का उद्घाटन स्थानीय विधायक मोहम्मद ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने फीता काटकर किया। इस दौरान आयोजक समिति के सदस्यों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक का स्वागत किया।उद्घाटन के अवसर पर विधायक एमटी राजा ने कहा कि छठ महापर्व हमारी आस्था संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है। यह पर्व समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश देता है। ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन से स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला एवं संस्कृति प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

बंद घर का ताला तोड़ लाखों की चोरी

बरही : गया रोड हरिनगर मुहल्ले में चोरों ने बंद घर का ताला तोड़कर लाखों की संपत्ति चोरी कर ली। घटना 13 से 16 नवंबर के बीच की है। चोरों ने घर से करीब 14.35 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरात, तीन लाख रुपये नकद और घरेलू सामान चुरा लिए।

जानकारी के अनुसार, रसोईया धमना निवासी सुशील कुमार (पिता राजेंद्र साव) वर्तमान में हरिनगर, बरही में रहते हैं। वह 13 नवंबर को परिवार के साथ छठ मनाने हजारीबाग स्थित अपने ससुराल गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद घर को निशाना बनाया। 16 नवंबर को परिवार के लौटने पर घर का ताला टूटा मिला। अंदर सामान बिखरा पड़ा था। जांच करने पर जेवरात, नकदी और अन्य सामान गायब मिले। घटना की सूचना बरही थाना को दी गई। थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर बिनोद कुमार ने बताया कि पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। आवेदन के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

गुरु नानक देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर निकली प्रभात फेरी

रामगढ़ : सिख धर्म के प्रवर्तक व सिखों के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव को लेकर सोमवार को पांचवे दिन भक्तिभाव से प्रभात फेरी का आयोजन हुआ। प्रभात फेरी गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा सुबह 5:00 बजे आरम्भ होकर, सुभाष चौक मेन रोड होते वापस श्री गुरुद्वारा साहब पहुंची। जहां साध संगत का फूलों से स्वागत किया किया गया और चाय नाश्ते का प्रबंध किया गया। प्रभात फेरी में निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी प्रभात फेरी की अगुवाई कर रहे थे। प्रभात फेरी के पांचवे दिन भी साध संगत में स्त्री,पुरुष एवम् बच्चों ने गुरबाणी,शबद कीर्तन कर आगे आगे चल रहे थे जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया था। साध-संगत ने गुरु भक्ति के शबद कीर्तन किये। रामगढ़ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के मीडिया प्रभारी करमजीत सिंह जग्गी ने बताया कि दिन बुधवार को प्रभात फेरी सरदार जसपाल सिंह अरोड़ा के पंचवटी में जाएगी।

ये हुए शामिल : प्रभात फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, कुलवंत सिंह मारवाह खजांची रघुवीर सिंह छाबड़ा, हेड ग्रंथि सरदार गुरविंदर सिंह तेजेंद्र सिंह सोनी, जगजीत सिंह सोनी, गुरप्रीत सिंह, पलविंदर सिंह बल,मंजीत सिंह, , प्रीतम सिंह कालरा, रमन कोहली, इकबाल सिंह,राजा कालरा, सतपाल सिंह सलूजा, हरजीत सिंह छाबड़ा, विंकल कालरा, , त्रिलोचन सिंह जैसल,पप्पू जस्सल,गुरजीत सिंह सलूजा, टोनी गांधी, रमन बेदी, विक्की छाबड़ा, नरेंद्र सिंह होरा, गुरदीप सिंह सैनी, जसविंदर सिंह छाबड़ा, रिंटू छाबड़ा, जसकीरत सिंह सैनी,, रौनक छाबड़ा, , यश छाबड़ा, हैप्पी संगोत्रा,,मन्नत सिंह, ,परमजीत कौर भूसरी, सूमी जॉली, गुरबक्श कौर सैनी, जसमीत कौर सोनी, , सोनम कालरा, गगन जग्गी, बलविंदर कौर छाबड़ा, शरण कौर छाबड़ा, रंजीता कौर छाबड़ा, लवली लांबा, रविंदरजीत कौर पवार, बबली सोनी,रंजीत कौर पवार, निक्की लांबा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए ।

पंचायत समिति सदस्य के घर के समीप शराबियों का उत्पात, ग्रामीण परेशान

बरही : मलकोको पंचायत में शराबियों के उत्पात से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। स्थिति यह है कि पंचायत समिति सदस्य सहदेव महतो के घर के समीप ही शाम होते ही नशे में धुत युवकों का जमावड़ा लग जाता है। शराब के नशे में गाली-गलौज और हंगामा करने से आसपास के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। श्री महतो ने बताया कि शराबियों के उत्पात से गांव का माहौल प्रभावित हो रहा है। खासकर महिलाओं और परिवारों को असहज स्थिति का सामना करना पड़ता है। उन्होंने गांव में कई अवैध शराब भट्ठियां संचालित होने की बात भी कही। इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को दिए जाने के बावजूद अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने प्रशासन से अपने घर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने, अवैध शराब भट्ठियों पर छापेमारी करने तथा सार्वजनिक स्थानों पर हंगामा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। छठ जैसे लोक आस्था के महापर्व के दौरान इस तरह की गतिविधियों पर रोक लगाने की भी अपील की है।

निष्पक्ष और निर्भीक पत्रकारिता ही लोकतंत्र की असली ताकत : रमेश

रामगढ़ : झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केंद्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो ने राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। यह केवल समाचारों के संकलन और प्रसारण का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की आवाज को बुलंद करने, जनसमस्याओं को शासन-प्रशासन तक पहुंचाने तथा सत्ता को उसकी जिम्मेदारियों का एहसास कराने का सशक्त माध्यम है। एक निष्पक्ष, निर्भीक और जिम्मेदार पत्रकार समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कठिन परिस्थितियों, चुनौतियों और दबावों के बावजूद सच्चाई को सामने लाना पत्रकारों के साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक है। आज के दौर में पत्रकारिता के समक्ष कई चुनौतियां हैं। ऐसे समय में निष्पक्षता, विश्वसनीयता, तथ्यपरक खबरों और जनहित को सर्वोपरि रखना बेहद आवश्यक है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य किसी के पक्ष या विपक्ष में खड़ा होना नहीं, बल्कि सच्चाई और जनहित के पक्ष में मजबूती से खड़ा होना है। इस अवसर पर मैं सभी पत्रकार साथियों से आग्रह करता हूं कि लोकतंत्र की मजबूती, सामाजिक न्याय, जनहित और आम जनता की आवाज को प्राथमिकता देते हुए अपनी लेखनी की गरिमा बनाए रखें।

बिरसा मुंडा जयंती पर फुटबॉल टूर्नामेंट और मेले का आयोजन



सांसद विजय हांसदा और विधायक एमटी राजा हुए शामिल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा: धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखंड स्थापना दिवस के अवसर पर उधवा प्रखंड अंतर्गत खरदांग मैदान में मेला एवं फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजमहल सांसद विजय कुमार हांसदा एवं राजमहल विधायक मो. ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा शामिल हुए और संयुक्त रूप से फीता काटकर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आयोजन समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों की ओर से पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाज के साथ अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद सांसद व विधायक ने भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।सभा को संबोधित करते हुए सांसद एवं विधायक ने कहा कि खरदांग मैदान में वर्षों से आयोजित होने वाला यह मेला क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। समय के साथ इस मेले का स्वरूप और भी व्यापक होता जा रहा है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रखने के साथ-साथ आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। इसके उपरांत विधायक और सांसद ने फुटबॉल टूर्नामेंट में भाग लेने वाली टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए फुटबॉल में किक मारकर फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया।

ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र देकर किया सम्मानित

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर सांसद विजय कुमार हांसदा एवं विधायक एमटी राजा ने उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ग्राम प्रधानों को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ग्रामीण परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक व्यवस्था को बनाए रखने में ग्राम प्रधानों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उनके योगदान को सम्मान देना समाज के प्रति उनके दायित्वों की सराहना करना है। मौके पर सांसद प्रतिनिधि संजीव सामू हेम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि मो. मारूफ उर्फ गुड्डू, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बाबू दा, प्रखंड सचिव विश्वजीत मंडल, काजू मल्लिक, किन्नू सोरेन, भैया किस्कू, बसंती हांसदा, रानी हांसदा, स्टेशलिना सोरेन, सकल हेम्ब्रम,जैनुल आब्दीन सहित आयोजन समिति के सदस्य, स्थानीय ग्रामीण एवं काफी संख्या में खेलप्रेमी मौजूद थे।

सड़क हादसे में सात लोग गंभीर एक साल की बच्ची सुरक्षित



संवाददाता

साहिबगंज/बरहेट : साहिबगंज-गोविंदपुर हाईवे पर बरहेट-बोरियो मुख्य मार्ग स्थित हरचंदपुर मोड़ के समीप रविवार को टैंकर और टोटो के बीच जोरदार टक्कर हो गई।हादसे में टोटो सवार सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।टक्कर इतनी भीषण थी कि टोटो के परखच्चे उड़ गए।वहीं,टोटो में सवार एक साल की बच्ची पूरी तरह सुरक्षित बच गई।घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक डॉ.संतोष टुडू ने सभी का प्राथमिक उपचार किया। घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।हादसे में ये लोग हुए घायल घायलों में अजय ठाकुर 45 जीरवाबाड़ी;मतला बेसरा 18 हाथमारी मालु बेसरा 27,बोरबान; बड़का टुडू 40बोरबान सोनी मरांडी 25,हाथमारी;विमला देवी 40 जीरवाबाड़ी तथा चुर्का बेसरा 40,हाथमारी शामिल हैं।मां के साथ सवार एक साल की बच्ची सुरक्षित भीषण हादसे के बीच राहत की बात यह रही कि टोटो में अपनी मां के साथ सवार एक साल की बच्ची को खरोंच तक नहीं आई।दुर्घटना के बाद बच्ची को पूरी तरह सुरक्षित देखकर स्थानीय लोग भी हैरान रह गए।घटना की जानकारी मिलने पर प्रखंड प्रमुख बरनार्ड मरांडी,उप प्रमुख रूपक साह व समाजसेवी गुंजन सिंघानिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।उन्होंने घायलों का हालचाल जाना और परिजनों को हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।इधर हादसे के बाद टैंकर चालक मौके से फरार हो गया।बताया जा रहा है कि टैंकर को बोरियो क्षेत्र में पकड़ लिया गया है।बरहेट पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नाबालिग को भगा ले जाने वाला युवक भेजा गया जेल

बरकट्ठा : प्रखंड क्षेत्र के कपका गांव से एक नाबालिग युवती को भगा ले जाने का मामला सामने आया है। बरकट्ठा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए युवती को बरामद कर आरोपी को पोक्सो एक्ट मामले में जेल भेज दिया। इस बाबत ग्राम कपका निवासी पीड़ित युवती के पिता ने बरकट्ठा थाना में लिखित शिकायत देकर कांड संख्या 162/26 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। जिसमें उन्होंने बताया है कि उनकी नाबालिग पुत्री 12 नवंबर की अहले सुबह लगभग चार बजे शौच के लिए घर से बाहर गई थी।

उधवा में श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ चार दिवसीय छठ महापर्व

घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, छठी मईया के गीतों से भक्तिमय हुआ माहौल

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : उधवा प्रखंड क्षेत्र में लोक आस्था और सूर्योपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ सोमवार की सुबह श्रद्धा भक्ति और उल्लास के साथ शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। महापर्व के अंतिम दिन अहले सुबह से ही विभिन्न छठ घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस अवसर पर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न छठ घाटों को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। घाटों के आसपास रोशनी की विशेष



व्यवस्था की गई थी। वहीं कई घाटों पर छठी मईया की प्रतिमा स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। सुबह होते ही व्रती महिलाएं एवं पुरुष पारंपरिक पूजन सामग्री से सजे दउरा और सूप लेकर घाटों पर पहुंचे। इसके बाद पूरे विधि-विधान और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की कामना की। प्रखंड क्षेत्र के सोमवारी हाटपाड़ा, भगत टोला, उधवा कचहरी घाट, मोहनपुर बोतलुटोला अमानत दियारा, मनिहारी टोला, फुदकीपुर, नौघरिया, कटहलबाड़ी, बेगमगंज, राधानगर, मसना, आतापुर, केलाबाड़ी और जोंका समेत विभिन्न गांवों के छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की काफी चहल-पहल रही। छठी मईया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय माहौल से पूरा क्षेत्र छठमय नजर आया। वहीं, महापर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। विभिन्न छठ घाटों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण ढंग से पूजा-अर्चना कर सकें।गौरतलब है कि सोमवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के बाद व्रतियों ने 36 घंटे के निर्जला उपवास का पारण किया। इसी के साथ चार दिवसीय लोक आस्था के महापर्व छठ का विधिवत समापन हो गया।

महादेवगंज में आज से दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता

17 और 18 नवंबर को देश-विदेश के नामी पहलवान दिखाएंगे दमखम विजेताओं को मिलेगा बाबू अर्जुन अवार्ड नकद पुरस्कार ट्रॉफी और गोल्ड मेडल

संवाददाता

साहिबगंज : गोपाष्टमी के पावन अवसर पर साहिबगंज सदर प्रखंड के महादेवगंज स्थित गौशाला मेला परिसर में 17 एवं 18 नवंबर को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय दंगल कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जाएगा।प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों के साथ-साथ पड़ोसी देश नेपाल के नामी पहलवान अपनी कुश्ती कला,ताकत और पारंपरिक दांव-पेंच का शानदार प्रदर्शन करेंगे। प्रतियोगिता प्रतिदिन दोपहर एक



बजे से रात आठ बजे तक आयोजित होगी।इस संबंध में झारखंड प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मंत्री बजरंगी प्रसाद यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में पंजाब,हरियाणा, दिल्ली,बिहार,ओडिशा और झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों के चर्चित पहलवानों को आमंत्रित किया गया है।इसके अलावा नेपाल के नामी पहलवान भी प्रतियोगिता में शामिल होकर अपना दमखम दिखाएंगे।आयोजन की तैयारियों को लेकर बजरंगी प्रसाद यादव ने गौशाला मेला परिसर पहुंचकर आयोजन समिति की ओर से की जा रही व्यवस्थाओं का जायजा लिया।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी पहलवानों के ठहरने भोजन और पेयजल की समुचित व्यवस्था की गई है ।ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले पहलवानों को बाबू अर्जुन अवार्ड,नकद पुरस्कार,आकर्षक ट्रॉफी व गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य पारंपरिक कुश्ती कला को बढ़ावा देना,ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा युवाओं में खेल के प्रति रुचि और उत्साह पैदा करना है।बजरंगी प्रसाद यादव ने क्षेत्र के सभी राजनीतिक दलों के नेताओं, जनप्रतिनिधियों,समाजसेवियों एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों से आपसी राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर इस खेल आयोजन में शामिल होने तथा कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की।उन्होंने खेलप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों से भी अधिक से अधिक संख्या में गौशाला मेला परिसर पहुंचकर देश-विदेश से आए पहलवानों का उत्साह वर्धन करने और अंतरराष्ट्रीय दंगल प्रतियोगिता का आनंद उठाने का आग्रह किया।मौके पर राजेश यादव, दारा सिंह यादव,बृज मोहन यादव, कृष्णा शर्मा,निलेश यादव सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य एवं स्थानीय लोग मौजूद थे।

बजरंगी भाईजान और सुल्तान के बाद मातृभूमि में एक बार फिर भावनात्मक अंदाज में नजर आएंगे सलमान

4 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने से पहले ही मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीसको लेकर जबरदस्त चर्चा शुरू हो गई है। फिल्म की भव्यता के साथ-साथ सलमान खान के अभिनय और इसकी भावनात्मक कहानी की भी खूब तारीफ हो रही है। फिल्म का रॉ और वर्क-इन-प्रोग्रेस वर्जन देखने वाले इंडस्ट्री के लोगों और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के सदस्यों का मानना है कि यह सलमान खान के बेहतरीन अभिनय में से एक है। यह फिल्म उनकी चर्चित फिल्मों बजरंगी भाईजान और सुल्तान की याद दिलाती है।

हाल ही में मुंबई में फिल्म की एक खास रफ-कट स्क्रीनिंग रखी



गई थी, जिसमें सुभाष घई, कबीर खान, सूरज बड़जात्या और डेविड धवन जैसे दिग्गज फिल्ममेकर शामिल हुए। इनके साथ रितेश देशमुख और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने भी फिल्म देखी। सभी ने फिल्म की भावुक कहानी की तारीफ की। उन्हें सलमान खान का अभिनय और फिल्म का अंदाज काफी पसंद आया। फिल्म की कहानी में इंसानियत और भावनाओं को जिस तरह दिखाया गया है, उसकी भी सराहना हुई। बजरंगी भाईजान और सुल्तान को पसंद करने वाले दर्शकों को मातृभूमि में भी वही जज्बा और भावनाओं के साथ दमदार अभिनय देखने को मिलेगा।

बजरंगी भाईजानकी तरह ही, जिसमें नफरत से ऊपर इंसानियत को रखा गया था, सलमान खान ने ट्रेलर लॉन्च के दौरान साफ किया था कि मातृभूमि चीन विरोधी फिल्म नहीं है, बल्कि यह सीमा के दोनों ओर युद्ध से होने वाले नुकसान और आम लोगों की तकलीफों को दिखाती है। वहीं, लद्दाख की कड़ाके की ठंड में एक सैनिक का किरदार निभाने के लिए सलमान ने काफी मेहनत की है। उनका संयमित और भावुक अभिनय सुल्तान में उनके किरदार की याद दिलाता है। फिल्म देखने वाले शुरूआती दर्शकों और सेंसर बोर्ड की तारीफ के साथ मातृभूमि सलमान खान के प्रशंसकों के लिए एक खास सिनेमाई अनुभव बनने की ओर बढ़ रही है।

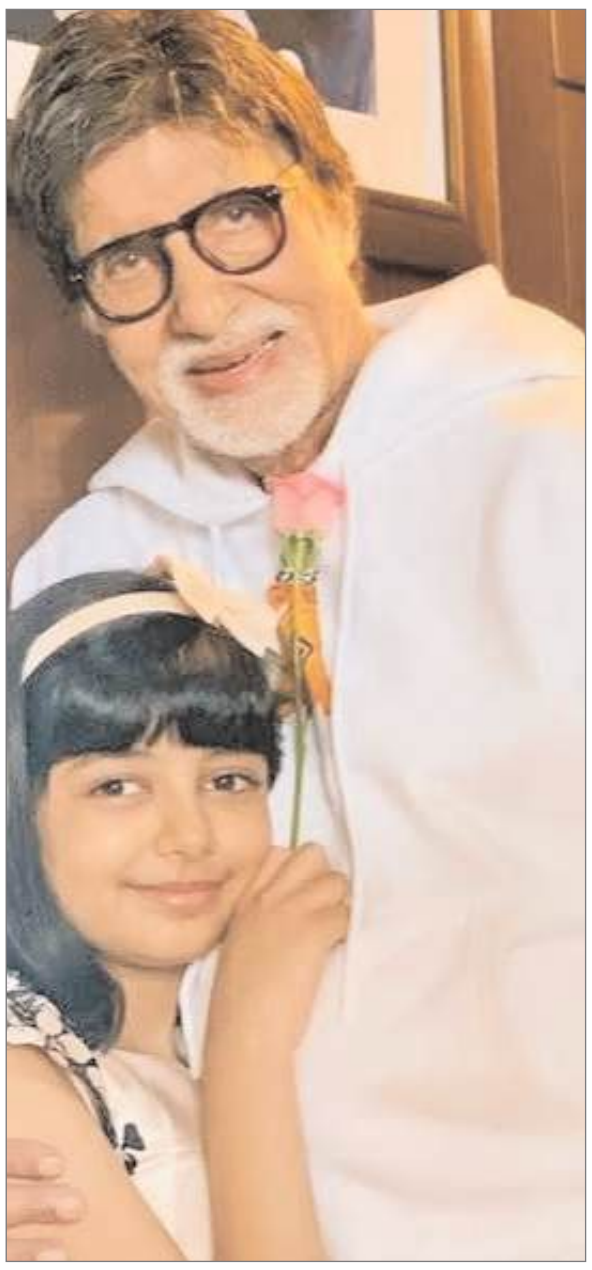
नए प्रोजेक्ट में रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगी निर्मित कौर अहलूवालिया

अभिनेत्री निर्मित कौर अहलूवालिया अपने आगामी प्रोजेक्ट में नए रोमांटिक अंदाज में नजर आएंगी।निर्मित कौर अहलूवालिया ने हाल ही में भोपाल में इस प्रोजेक्ट की शूटिंग पूरी की है। अभिनेत्री अपने इस नए रूप को दर्शकों के सामने पेश करने को लेकर उत्साहित हैं। निर्मित ने सोशल मीडिया पर शूटिंग के दौरान की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें प्रशंसकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। उनकी इन तस्वीरों पर अभिनेत्री मौनी रॉय और कृष्णा श्रॉफ ने भी प्रतिक्रिया देते हुए उन्हें नए प्रोजेक्ट के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

निर्मित ने कहा कि भोपाल में शूटिंग पूरी करना उनके लिए खास



अनुभव रहा। एक कलाकार के तौर पर अलग-अलग भूमिकाओं को निभाना हमेशा चुनौतीपूर्ण और रोमांचक होता है। इस बार रोमांटिक भूमिका में काम करना उनके लिए एक नया अनुभव रहा है। उन्होंने मौनी रॉय और कृष्णा श्रॉफ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों हमेशा उनका समर्थन करती रही हैं। उनका प्यार और प्रोत्साहन उनके लिए काफी मायने रखता है। इस नए प्रोजेक्ट के जरिए निर्मित कौर अहलूवालिया दर्शकों के सामने अपने अभिनय का एक अलग पक्ष पेश करने की तैयारी में हैं। हालांकि, निमार्ताओं ने फिलहाल प्रोजेक्ट से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा नहीं किया है।



15 की हुई आराध्या, दादा अमिताभ ने शेयर किया इमोशनल पोस्ट, कहा- घर की पोती का जन्मदिन...

बच्चन परिवार में इन दिनों जश्न का माहौल है क्योंकि ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की लाडली बेटी आराध्या 15 साल की हो गई हैं। इस खास मौके पर उनके दादा यानी बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने उन्हें बड़े ही प्यार से जन्मदिन की बधाई दी है।

अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर आराध्या के लिए एक प्यारा सा मैसेज लिखा जो उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। बिग बी ने सिर्फ अपनी पोती को ही शुभकामनाएं नहीं दीं, बल्कि फैंस के प्यार के लिए उनका भी शुक्रिया अदा किया।

अमिताभ बच्चन ने पोती के लिए लिखा ये खास मैसेजः अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग और सोशल मीडिया के जरिए फैंस से अपने दिल की बातें शेयर करते रहते हैं। आराध्या के 15वें जन्मदिन पर उन्होंने लिखा,

'घर की पोती का जन्मदिन बहुत ही सुनहरा और भाग्यशाली हो, भगवान से मेरी यही प्रार्थना है। साथ ही रविवार को जो आप लोगों से प्यार मिला, वो हमेशा याद रहेगा। आप सबकी दुआओं के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।'

इस छोटे और प्यारे से मैसेज से साफ पता चलता है कि बिग बी अपनी पोती से कितना प्यार करते हैं। 16 नवंबर को 15 साल की

> अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर आराध्या के लिए एक प्यारा सा मैसेज लिखा जो उनके फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। बिग बी ने सिर्फ अपनी पोती को ही शुभकामनाएं नहीं दीं, बल्कि फैंस के प्यार के लिए उनका भी शुक्रिया अदा किया।

हुईं आराध्याः आपको बता दें कि आराध्या का जन्म 16 नवंबर 2011 को हुआ था। अभिषेक और ऐश्वर्या की शादी 2007 में हुई थी और आराध्या उनकी इकलौती बेटी हैं। आराध्या अपने दादा अमिताभ और दादी जया बच्चन की भी बहुत लाडली हैं। नव्या नवेली और अगस्त्य नंदा उनके कजिन हैं। वैसे, इस बार ऐश्वर्या या अभिषेक की तरफ से आराध्या के बर्थडे सेलिब्रेशन की कोई फोटो सोशल मीडिया पर शेयर नहीं की गई है।

बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लो, फिर भी मारेंगे गोली , गोल्डी ढिल्लों ने अमिताभ और अभिषेक बच्चन को दी धमकी

गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को जान से मारने की धमकी दी है। पोस्ट में गोल्डी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कहा कि उन घटनाओं के दोषियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा।

गोल्डी ढिल्लों ने अपनी पोस्ट की शुरूआत वाहेगुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह से की। इसके बाद उसने लिखा, मुंबई में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने हमारे दो साथियों विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। इन दोनों को किसी दूसरे गैंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। हमारे साथी किसी वारदात में शामिल नहीं थे और आगे भी किसी वारदात को अंजाम नहीं देंगे। हमारे मुंबई में करीब 200 साथी तैयार हैं।

पोस्ट में गोल्डी ने 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कहा, उन घटनाओं के दोषियों को कभी माफ नहीं किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति दुनिया के किसी भी देश में हो, अगर वह सिख समुदाय के खिलाफ बोलेगा तो उससे हिसाब लिया जाएगा। ऐसे लोगों को हम अपना दुश्मन मानते



हैं और उन्हें इसका अंजाम भुगतना पड़ेगा। गोल्डी ने पोस्ट के आखिरी हिस्से में अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन का नाम लिखते हुए कहा, दोनों चाहे जितना बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें गोली मारी जाएगी। पोस्ट के साथ गोल्डी ने 1984 को लेकर न्याय की मांग वाले हैशटैग भी इस्तेमाल किए। हालांकि, आईएएनएस इस सोशल मीडिया पोस्ट और इसमें किए गए दावों की पुष्टि नहीं करता है।

बता दें कि अमिताभ बच्चन पर 1984 के सिख-विरोधी दंगों के दौरान हिंसा भड़काने वाले नारे लगाने के आरोप पहले भी लग चुके हैं। हालांकि, अभिनेता इन आरोपों से इनकार कर चुके हैं। साल 2011 में उन्होंने अकाल तख्त को पत्र लिखकर इन आरोपों को गलत बताया था और कहा था कि उन्होंने कभी सिख समुदाय के खिलाफ हिंसा का समर्थन नहीं किया। यह विवाद पिछले साल फिर चर्चा में आया था, जब दिलजीत दोसांझ टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति में अमिताभ बच्चन से मिले और सम्मान में उनके पैर छुए। इसके बाद कुछ संगठनों ने दिलजीत की आलोचना की थी।

सोनाक्षी सिन्हा की आपत्तिजनक तस्वीरें शेयर करने वाला आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

पुलिस की लापरवाही से कोर्ट से हुई रिहाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा की मॉर्फ्ड और अश्लील तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में गिरफ्तार किए गए आरोपी को अदालत से बड़ा झटका लगा है। बांद्रा पुलिस ने शनिवार को आरोपी आर्यन दीपक जैन को दिल्ली से गिरफ्तार कर मुंबई की मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया था, लेकिन कानूनी प्रक्रियाओं का पालन न किए जाने के चलते कोर्ट ने उसकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी करार देते हुए उसे तुरंत रिहा करने का आदेश दे दिया है।

क्या था पूरा मामला और कैसे हुई गिरफ्तारीः सोनाक्षी सिन्हा की शिकायत पर 13 नवंबर 2026 को बांद्रा पुलिस स्टेशन में यह मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दिल्ली के एक शख्स ने सोशल



मीडिया पर उनकी मॉर्फ तस्वीरें साझा की हैं। इस मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 14 नवंबर को सुबह करीब 10:11 बजे दिल्ली के शाहदरा स्थित जगतपुरी पुलिस स्टेशन के क्षेत्र से आरोपी आर्यन दीपक जैन को धर दबोचा। शनिवार को उसे मुंबई लाकर बांद्रा कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जहां पुलिस ने उस इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस का पता लगाने और आगे की गहन जांच के लिए आरोपी की तीन दिन की पुलिस कस्टडी की मांग की थी।

वकीलों की दलील और पुलिस की लापरवाही पर कोर्ट की सख्त टिप्पणीः सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से पेश हुए वकीलों अमन शाही, प्रशांत त्रिवेदी और आदित्य जैन ने पुलिस हिरासत का पुरजोर विरोध किया। वकीलों ने दलील दी कि गिरफ्तारी से पहले आरोपी को जरूरी कानूनी नोटिस नहीं दिया गया और न ही उसे गिरफ्तारी की वजह बताई गई, बल्कि उसे बेहद गोपनीय तरीके से फ्लाइट के जरिए दिल्ली से बाहर लाया गया। सबसे अहम बात यह रही कि आरोपी को दिल्ली की स्थानीय मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किए बिना सीधे मुंबई ले जाया गया, जो कानूनी प्रक्रिया का सीधा उल्लंघन है। अदालत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि सात साल तक की सजा वाले मामलों में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा के तहत नियमों का पालन करना अनिवार्य होता है, लेकिन जांच एजेंसी रिकॉर्ड पर ऐसा कोई संतोषजनक कारण नहीं दिखा पाई कि इस प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं किया गया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सिर्फ आगे की जांच की जरूरत बताकर किसी व्यक्ति को हिरासत में रखना सही नहीं ठहराया जा सकता, जिसके बाद अदालत ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी मानते हुए आरोपी को रिहा कर दिया।

आईपीएल 2027 : लखनऊ का साथ छोड़ेंगे मोहम्मद शमी, अब राजस्थान की जर्सी में आएंगे नजर

»दोनों आईपीएल टीमों के बीच तीन खिलाड़ियों की अदला-बदली » गुजरात से जुड़ेंगे हर्षल पटेल

नई दिल्लीः आईपीएल 2027 से पहले राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच तीन खिलाड़ियों का ट्रेड हुआ है। मोहम्मद शमी राजस्थान और इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम करन लखनऊ की टीम में जाएंगे। वहीं, लखनऊ के लेफ्ट आर्म स्पिनर एम सिद्धार्थ भी राजस्थान से जुड़ेंगे। इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल गुजरात टाइटंस में शामिल होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, गुजरात ने इस ऑल-कैश ट्रेड के लिए चार करोड़ रुपए देने पर सहमति जताई है। राजस्थान को पिछले सीजन प्लेऑफ में जगह बनाने के बावजूद पावरप्ले में गेंदबाजी की कमजोरी से जूझना पड़ा था। टीम ने शुरूआती छह ओवर में 10।14 रन प्रति ओवर दिए थे। ऐसे में



मोहम्मद शमी को टीम में शामिल करना पावरप्ले की गेंदबाजी मजबूत करने की कोशिश मानी जा रही है। उनकी जोड़ी जोफ्रा आर्चर के साथ बन सकती है।

लखनऊ के लिए सैम करन ऑलराउंडर का विकल्पः लखनऊ को सैम करन के रूप में ऐसा ऑलराउंडर मिलेगा, जो बल्लेबाजी में अलग-अलग नंबरों पर उतरने के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सकता है। करन पंजाब और चेन्नई के लिए खेल चुके हैं। लखनऊ उनकी तीसरी आईपीएल फ्रेंचाइजी होगी। वह चोट के कारण आईपीएल 2026 में नहीं खेल पाए थे। करन लखनऊ की कप्तानी के दावेदार भी हो सकते हैं। ऋषभ पंत के दिल्ली कैपिटल्स में लौटने के बाद टीम को नए कप्तान की जरूरत है। हालांकि, कप्तानी की दौड़ में एडेन मार्करम, निकोलस पूरन, मिचेल मार्श और जोश इंग्लिस के नाम भी शामिल हैं।

गुजरात से खेलेंगे हर्षलः सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल आईपीएल 2027 में गुजरात टाइटंस के लिए खेलेंगे। दोनों फ्रेंचाइजी के बीच चार करोड़ रुपए की ऑल-कैश डील पर सहमति बनी है। इसका मतलब है कि गुजरात के ऑक्शन पर्स से चार करोड़ रुपए घटेंगे। हैदराबाद ने हर्षल को 2025 मेगा ऑक्शन में आठ करोड़ रुपए में खरीदा था। हर्षल ने आईपीएल 2025 में 13 मैचों में 16 विकेट लिए थे।

आज रिटेंशन की आखिरी तारीखः आईपीएल 2027 के लिए 10 टीमों को 17 नवंबर तक रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की लिस्ट जमा करनी है। आईपीएल ने पहले यह तारीख 15 नवंबर रखी थी, लेकिन भारत-न्यूजीलैंड के पांचवें वनडे से तारीख टकराने के कारण इसे दो दिन आगे बढ़ाया गया। इस बार मिनी ऑक्शन में खिलाड़ियों को रिटेन करने की कोई तय सीमा नहीं है। एक टीम में अधिकतम 25 खिलाड़ी हो सकते हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने अभिषेक बच्चन का फोन चुराकर रानी मुखर्जी को भेज दिया था *आई मिस यू* मैसेज

बॉलीवुड में सितारों के बीच मस्ती और शरारत के कई किस्से हैं। ऐसा ही एक मजेदार किस्सा प्रियंका चोपड़ा, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी से जुड़ा है। एक बार प्रियंका ने अभिषेक बच्चन का फोन चुराकर रानी मुखर्जी को 'आईअमस यू' का मैसेज भेज दिया था। लेकिन रानी का जवाब देखकर अभिषेक भी हैरान रह गए थे। आखिर रानी ने ऐसा क्या लिख दिया था, जिसे सुनकर आज भी इस किस्से पर हंसी आती है?

इस घटना का खुलासा प्रियंका चोपड़ा ने सिमी गरेवाल के चैट शो में किया था। बातचीत के दौरान सिमी ने प्रियंका से पूछा कि क्या उन्होंने कभी अभिषेक बच्चन का मोबाइल चुराया था। इस पर प्रियंका ने बताया कि इस शरारत की शुरूआत अभिषेक ने ही की थी।

अभिषेक ने पहले चुराया था प्रियंका का फोनः प्रियंका ने बताया कि एक बार अभिषेक बच्चन ने उनका फोन चुरा लिया था। वह फोन लेकर वैन में बैठ गए और उस पर बैठ गए। काफी देर तक उन्होंने प्रियंका का फोन वापस नहीं किया। आखिरकार जब अभिषेक को वैन से बाहर निकलना पड़ा, तो प्रियंका को बदला लेने का मौका मिल गया।

अभिषेक बच्चन, प्रियंका चोपड़ा और रानी मुखर्जी, फोटो- इंस्टाग्राम

अभिषेक बच्चन, प्रियंका चोपड़ा और रानी मुखर्जी, फोटो- इंस्टाग्राम

उन्होंने अभिषेक का फोन उठा लिया और उसे छिपा दिया।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, टेस्ट सीरीज से पहले टीम से बाहर हुए सेंटनर

वेलिंग्टन : न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर दाएं हाथ में चोट के कारण भारत के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट न्यूजीलैंड की टीम में शामिल किया गया है। सैंटनर को रविवार रात माउंट माउंगानुई में खेले गए पांचवें और आखिरी वनडे के दौरान बल्लेबाजी करते समय अर्शदीप सिंह की एक बाउंसर उनके दाएं हाथ पर लगी



थी।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) की ओर से जारी बयान में कहा गया, स्कैन में पता चला है कि सैंटनर के दाएं हाथ में फ्रैक्चर हुआ है। उनकी वापसी में कितना समय लगेगा, इस पर काम किया जा रहा है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनकी उपलब्धता को लेकर उचित समय पर जानकारी दी जाएगी। न्यूजीलैंड पहले टेस्ट में चार तेज गेंदबाज उतार सकता है। सैंटनर की गैरमौजूदगी में ग्लेन फिलिप्स के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाने के सबसे प्रबल दावेदार हैं।

28 साल के फ्रॉक्सक्रॉफ्ट ने अब तक केवल एक टेस्ट खेला है। यह मैच उन्होंने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ खेला था। यह इंग्लैंड के खिलाफ न्यूजीलैंड की तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले हुआ था। बेलफास्ट में न्यूजीलैंड की पारी से मिली जीत में फ्रॉक्सक्रॉफ्ट ने 98 रन बनाए थे। इसके बाद वह स्वदेश लौट गए थे, क्योंकि कंधे की चोट से उबरकर वापसी कर रहे सैंटनर ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में उनकी जगह ले ली थी। न्यूजीलैंड की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज नौ दिसंबर को पर्थ में शुरू होगी। सैंटनर को उम्मीद है कि वह तब तक फिट हो जाएंगे।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की टीम इस प्रकार हैः- टॉम लेथम (कप्तान), टॉम ब्लंडल (विकेटकीपर), डेवन कॉन्वे, हेनरी निकल्स, विल यंग, डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डैरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नेथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जेमीसन और ब्लेयर टिकनर।

न्यूज ब्रीफ

बारात से लौट रही बोलेरो खाई में समाई, चार लोगों की मौके पर मौत, छह घायल



देहरादूनः उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद अन्तर्गत बारात से वापस लौट रही एक बोलेरो वाहन के खाई में गिरने से उसमें सवार चार व्यक्तियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई जबकि अन्य छह लोग घायल हो गए। एसडीआरएफ के कमांडेंट अर्पण यदुवंशी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार रात जनपद रुद्रप्रयाग के थाना अगस्त्यमुनि क्षेत्रांतर्गत कंडारा के समीप एक बोलेरो अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। वाहन में कुल 10 व्यक्ति सवार थे, जो कंडारा से बारात में शामिल होकर वापस अपने गांव रांसी की ओर लौट रहे थे।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ पोस्ट रतूड़ा से उप निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह पवार के नेतृत्व में टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंची। वाहन में सवार छह व्यक्ति घायल अवस्था में मिले जबकि चार व्यक्तियों की मृत्यु हो चुकी है। इसके पश्चात टीम द्वारा एसडीआरएफ एवं स्थानीय लोगों के साथ समन्वय स्थापित कर संयुक्त रूप से रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। उन्होंने बताया कि घटनास्थल तक सड़क मार्ग उपलब्ध न होने तथा अत्यंत दुर्गम पहाड़ी भूभाग होने के कारण रेस्क्यू टीमों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रेस्क्यू जवानों एवं स्थानीय लोगों द्वारा लगभग चार किलोमीटर पैदल दुर्गम मार्ग तय कर घायलों एवं मृतकों को मुख्य सड़क तक पहुंचाया गया।

उन्होंने बताया कि लगभग छह घंटे तक चले संयुक्त रेस्क्यू अभियान के दौरान सभी छह घायलों को सुरक्षित निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। इनमें से चार को बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। वहीं दुर्घटना में मृत चारों व्यक्तियों के शवों को खाई से बरामद कर आवश्यक कार्रवाई के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

भारत को न पढ़ाएं लोकतंत्र का पाठ, इतालवी नेता के वोट चोरी बयान पर मेलोनी की करीबी ने साधा निशाना

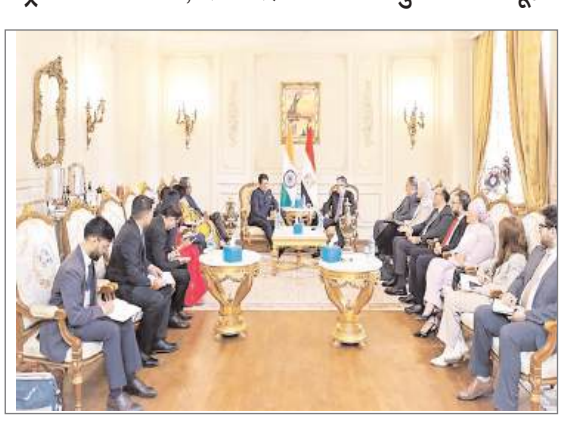


एजेंसी/ रोमः इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की पार्टी भी हैदराबाद में आयोजित भारत समिट में लगे वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे को लेकर छिड़े राजनीतिक विवाद में शामिल हो गई है। मेलोनी की पार्टी फोर्जा इटालिया की नेता डेबोरा बर्गामिनी ने भारत के लोकतंत्र और चुनावी सिस्टम पर अपनी बात रखी है। बर्गामिनी का मानना है कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक देश को यूरोप की ओर से लोकतंत्र का पाठ पढ़ाना सही नहीं है।

उनके इस बयान के बाद कांग्रेस के कार्यक्रम में फिलिबेक की टिप्पणी को लेकर राजनीतिक बहस और तेज हो गई है। डेबोरा बर्गामिनी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब पीईएस के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उस अभियान का समर्थन किया था, जिसमें वोटर लिस्ट में गड़बड़ का मुद्दा उठाया जा रहा है।

फिलिबेक पर वीजा नियमों के उल्लंघन का आरोपः हैदराबाद में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान इटली के नेता जियाकोमो फिलिबेक की नारेबाजी पर सरकार से जुड़े सूत्रों ने इसे भारत के वीजा नियमों का उल्लंघन बताया है। उनके मुताबिक, फिलिबेक भारत में कॉन्फ्रेंस वीजा पर आए थे, लेकिन उन्होंने यहां के घरेलू राजनीतिक मामलों पर टिप्पणी की। सूत्रों ने कहा कि भारत आने वाले विदेशी नागरिकों को किसी भी तरह के वीजा पर देश की आंतरिक राजनीति में दखल देने की इजाजत नहीं है। ऐसा करना वीजा नियमों का उल्लंघन है।

मिस्र में छाएंगे भारतीय स्टार्टअप्स, मंत्री पीयूष गोयल की ट्रेड पैक्ट पर चर्चा, दोनों देश बनाएंगे संयुक्त कार्यसमूह



नई दिल्लीः वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को ह्यमिस्र-भारत स्टार्टअप फोरमह्ल को संबोधित करते हुए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने संकेत दिए कि भारत और मिस्र एक संभावित व्यापार समझौते (ट्रेड पैक्ट) की दिशा में काम कर रहे हैं, जो दोनों देशों के स्टार्टअप्स के लिए एक नई दुनिया खोल सकता है। इस प्रस्तावित समझौते का लक्ष्य स्टार्टअप्स को एक-दूसरे के देशों में सरकारी खरीद और अन्य व्यापारिक अवसरों तक पहुंच प्रदान करना है। दोनों देशों ने इस वार्ता को औपचारिक रूप देने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह बनाने का भी निर्णय लिया है, जो स्टार्टअप्स के लिए एक सहज माहौल तैयार करेगा। मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ने हमेशा से अपने घरेलू स्टार्टअप्स को ग्राहकों से सीधे जुड़ने और अपने उत्पादों को साबित करने का अवसर दिया है। अब यही मॉडल भारत और मिस्र के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते (पीटीए या एफटीए) में भी लागू करने की योजना है।

इससे दोनों देशों के स्टार्टअप्स एक-दूसरे के बाजारों में आसानी से प्रवेश कर सकेंगे। इस समझौते के तहत स्टार्टअप्स को सरकारी खरीद प्रक्रियाओं में भाग लेने का मौका मिल सकता है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत ऐसे अवसर पैदा करना चाहता है जहां भारतीय कंपनियां मिस्र के स्टार्टअप्स के आइडिया देख सकें और मिस्र की कंपनियां भारतीय स्टार्टअप्स के साथ कोलैबोरेट कर सकें।

कांग्रेस यूपी चुनाव के लिए तैयार, सीट शेयरिंग पर बैठक से पहले सपा को सौंपी 181 नामों की लिस्ट

नई दिल्लीः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान तेज हो गई है। दोनों दलों के बीच सीट शेयरिंग पर बातचीत के लिए मंगलवार को बैठक होगी। कांग्रेस के नेताओं ने मल्लिकार्जुन खडगे से बातचीत के बाद यह जानकारी दी। इससे पहले कांग्रेस ने सपा को 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। खास बात यह है कि इस सूची में कुछ ऐसी सीटें भी शामिल हैं, जहां फिलहाल सपा के विधायक हैं। ऐसे में सीटों के बंटवारे पर सहमति बनाना दोनों दलों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। कांग्रेस की सूची में कई ऐसी सीटें हैं, जहां पार्टी लंबे समय से चुनाव नहीं जीत सकी है। सपा से गठबंधन कर चुनावी मैदान में उतर रही यूपी कांग्रेस के नेताओं



के साथ नई दिल्ली में शीर्ष नेताओं ने बैठक की। इस दौरान सपा से शीट शेयरिंग पर भी चर्चा हुई।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर हुई बैठक में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और इमरान मसूद उपस्थित रहे। बैठक के बाद यूपी कांग्रेस की अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने बताया कि पार्टी नेताओं ने संगठन के कामकाज को लेकर चर्चा की। दिसंबर के पहले हफ्ते से चुनावी अभियान शुरू होने की उम्मीद है। वहीं सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि दिसंबर की शुरूआत से कांग्रेस पूरे यूपी भर में रैलियां और यात्राएं निकालेगी। सोमवार को संगठन के कामकाज को लेकर बैठक हुई। मंगलवार को जब सपा नेताओं के साथ बैठक होगी, तब सीटों के मुद्दे पर बातचीत की जाएगी।

पांच सदस्यीय कमेटी करेगी सीटों पर चर्चाः सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि सपा हमारी महत्त्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है, इसे प्रियंका गांधी लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसिडेंट इमरान मसूद शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश में तीसरी जीत को भाजपा की चिंतन बैठकः उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बीजेपी ने अपने चुनावी अभियान और एजेंडे को धार देना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में मथुरा में सोमवार से बीजेपी की दो दिवसीय चिंतन बैठक चल रही है। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रदेश नेतृत्व के 54 सदस्य शामिल हुए हैं। इसी दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी की तैयारियों और श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुद्दे पर बड़ा बयान दिया। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि बीजेपी 2027 में भारी बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार उत्तर प्रदेश में सरकार बनाएगी। मथुरा में चल रही बैठक के बीच केशव प्रसाद मौर्य ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बना है, उसी तरह भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भी मंदिर बनेगा।

भारत को बांटने की हो रही कोशिश, मोहन भागवत बोले

विदेशी ताकतें नहीं चाहती, महान राष्ट्र बने

जोधपुर/एजेंसीः राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि भारत को विश्व का मार्गदर्शक बनाने के लिए केवल किसी एक संगठन, नेता या व्यक्ति के प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि पूरे समाज को संगठित होकर खड़ा होना होगा। समाज की सामूहिक शक्ति जब जागृत होती है, तो असंभव दिखाई देने वाले कार्य भी सिद्ध हो जाते हैं। इसके लिए देश के प्रत्येक गांव, गली और मोहल्ले में 25, 50 या 100 ऐसे सेवाभावी, चरित्रवान और निःस्वार्थ लोग तैयार होने चाहिएं, जो समाज के सुख-दुख में साथ खड़े हों और अपने आचरण से दूसरों के सामने आदर्श प्रस्तुत करें।



जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में आयोजित राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत स्तरीय घोष वर्ग मरु निनाद-2026 के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि संघ का एक ही लक्ष्य है भारत माता की जय। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय है कि भारत का वैभव अमर रहे। देश का उत्थान किसी एक समूह या नेता से नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज की सक्रिय भागीदारी से संभव है। समाज की संगठित शक्ति के भरोसे ही धर्म का संरक्षण और राष्ट्र का परम वैभव प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत को बांटने के प्रयास किए जा रहे हैं, भागवत ने इसकी तुलना अंग्रेजों की ह्यफूट डालो और राज करोह्ल की नीति से की। उन्होंने कहा भारत आज सही दिशा में आगे बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया की कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि भारत एक महान राष्ट्र बने।

सरकार ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स में किया इजाफा



नई दिल्लीः केंद्र सरकार ने ईंधन निर्यात शुल्क में बदलाव करते हुए डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ा दिया है।

वित्त मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, डीजल निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) के साथ सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर को 11.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 14 रुपए प्रति लीटर कर दिया गया है।

वहीं, एटीएफ पर निर्यात शुल्क को 11 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 12.50 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर शून्य शुल्क को बरकरार रखा गया है। सरकार के अनुसार, संशोधित दरें 16 नवंबर से तत्काल प्रभाव से लागू हो गई हैं।

निर्यात शुल्क पर यह नवीनतम समीक्षा सरकार की 31 अक्टूबर को की गई समीक्षा के बाद आई है। उस समय सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क पूरी तरह हटा दिया था, जबकि डीजल और एटीएफ पर शुल्क बढ़ाया गया। उस समय डीजल के निर्यात पर शुल्क 8.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 11.50 रुपए प्रति लीटर और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क 10.50 रुपए प्रति लीटर से बढ़ाकर 11 रुपए प्रति लीटर किया गया था। अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल और रिफाइंड पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में होने वाले उतार-चढ़ाव के अनुरूप सरकार ईंधन निर्यात शुल्क को समायोजित करने के लिए हर 15 दिन में समीक्षा करती है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच मार्च में ईंधन निर्यात कर दोबारा लागू किए जाने के बाद से इसमें कई बार संशोधन किया गया है। इस तनावों के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता बढ़ी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आई है। शुरूआत में यह शुल्क केवल डीजल और एटीएफ के निर्यात पर लगाया गया था, जिसे बाद में मई से पेट्रोल के निर्यात पर भी लागू कर दिया गया। इसके अलावा, सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू बाजार में बिकने वाले पेट्रोल और डीजल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दिल्ली में प्रदूषण का प्रकोप बरकरार, एम्स में एक्यूआई 358 और आईटीओ में 349 पहुंचा

कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब, आंखों में जलन और सांस लेने में परेशानी से लोग बेहाल

नई दिल्ली : राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण का स्तर एक बार फिर बढ़ने लगा है। शहर के कई इलाकों में हवा की गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गई है, जिससे लोगों की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां बढ़ रही हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली के एम्स इलाके में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 358 दर्ज किया गया, जबकि आईटीओ में यह 349 तक पहुंच गया। दोनों ही इलाकों में वायु गुणवत्ता बेहद खराब श्रेणी में बनी हुई है।

प्रदूषण के बढ़ते स्तर का असर लोगों की सेहत पर भी दिखाई देने लगा है। कई लोग आंखों में जलन, गले में खराश



और सांस लेने में परेशानी जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों के लिए प्रदूषित हवा परेशानी का कारण बन रही है।

राजधानी के अन्य इलाकों में भी वायु गुणवत्ता की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। कनॉट प्लेस में एक्यूआई 237, जेएलएन स्टेडियम में 243, आनंद विहार में 222 और अक्षरधाम मंदिर के आसपास 222 दर्ज किया गया। वहीं, सराय काले खां में वायु गुणवत्ता सूचकांक 259 रहा।

कुछ इलाकों में प्रदूषण का स्तर और भी अधिक दर्ज किया गया। सिरी फोर्ट में एक्यूआई 336 और एनएसआईटी द्वारका में 332 रहा। इसके अलावा पूसा में 275, पंजाबी बाग में 268 और दिल्ली सचिवालय में 269 दर्ज किया गया। आनंद पर्वत में वायु गुणवत्ता सूचकांक करीब 171 रहा। हालांकि, राजधानी के कुछ हिस्सों में अपेक्षाकृत राहत की स्थिति देखने को मिली। धौला कुआं में एक्यूआई 153 और इंडिया गेट के आसपास 198 दर्ज किया गया। इन इलाकों में वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में रही। कुल मिलाकर दिल्ली के अधिकांश इलाकों में प्रदूषण का स्तर लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है।

होर्मुज में तेल टैंकर पर हमला, नौसैनिक खदान से टकराने के बाद लगी आग; 24 घंटे में चौथी घटना

तेहरान : होर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकर पर हमले का मामला सामने आया है। हमले के बाद टैंकर नौसैनिक खदान (नेवल माइन) से टकरा गया, जिससे उसके इंजन रूम में आग लग गई। ब्रिटेन के समुद्री व्यापार संचालन संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। बताया जा रहा है कि पिछले 24 घंटों के भीतर इस समुद्री क्षेत्र में हमले की यह चौथी घटना है।

एनवीडिया के अगले सीईओ की दौड़ में भारतीय मूल के तीन दिग्गज, थॉमस कुरियन समेत कई बड़े नाम चर्चा में

नई दिल्ली/तिरुवनंतपुरम : वैश्विक चिप निर्माताकंपनी एनवीडिया के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी जेनसन हुआंग के अचानक इस्तीफे के बाद कंपनी के नए नेतृत्व को लेकर चचाएँ तेज हो गई हैं। उद्योग जगत में चल रही चचाओं के अनुसार, भारतीय मूल के तीन शीर्ष प्रौद्योगिकी नेता संभावित उत्तराधिकारियों की सूची में प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं।

इन नामों में गूगल क्लाउड के सीईओ थॉमस कुरियन, माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ संजय मेहरोत्रा ??और पालो अल्टो नेटवर्क्स के सीईओ निकेश अरोड़ा शामिल हैं।

तीनों ही वैश्विक तकनीकी



उद्योग के प्रतिष्ठित नेता माने जाते हैं और उन्हें ऐसी हस्तियां माना जा रहा है जो दुनिया की सबसे प्रभावशाली सेमीकंडक्टर कंपनियों में से एक एनवीडिया को उसके अगले विकास चरण में सफलतापूर्वक नेतृत्व दे सकती हैं। एनवीडिया ने पिछले सप्ताह जेनसन हुआंग के इस्तीफे की घोषणा की थी, जिससे उनके तीन दशक से अधिक लंबे कार्यकाल का अंत हो गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, उनका इस्तीफा कई कथित निजी विवादों और बढ़ती जांच-पड़ताल के बीच आया है।

हुआंग के पद छोड़ने के बाद कंपनी ने अपनी मुख्य वित्तीय अधिकारी कोलेट क्रेस्स को अंतरिम मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने कहा है कि निदेशक मंडल स्थायी सीईओ की नियुक्ति से पहले आंतरिक और बाहरी दोनों प्रकार के उम्मीदवारों का मूल्यांकन करेगा। इस बीच, केरल में जन्मे थॉमस कुरियन का नाम विशेष रूप से चर्चा में है। हाल ही में जारी एचएसबीसी हुरुन ग्लोबल इंडियंस लिस्ट 2026 में उन्हें दुनिया की सबसे मूल्यवान कंपनियों का नेतृत्व करने वाले भारतीय मूल के शीर्ष अधिकारियों में पांचवां स्थान दिया गया था।

हालांकि, एनवीडिया के शीर्ष पद को लेकर चल रही अटकलों पर थॉमस कुरियन ने कोई टिप्पणी करने से इनकार किया है। आईएएनएस के साथ ईमेल संवाद में उन्होंने इस विषय पर कुछ भी कहने से परहेज किया।

नेतृत्व परिवर्तन को लेकर बहस तब और तेज हो गई जब अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने कहा कि एनवीडिया को नए चीफ एक्जीक्यूटिव की तलाश के दौरान कंपनी के बाहर भी देखना पड़ सकता है।

इस मामले में थॉमस कुरियन का नाम इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने गूगल क्लाउड को क्लाउड कंप्यूटिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अग्रणी वैश्विक खिलाड़ियों में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनकी तकनीकी और व्यावसायिक नेतृत्व क्षमता एनवीडिया जैसी कंपनी के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

वहीं संजय मेहरोत्रा ने मेमोरी चिप निमार्ता माइक्रोन टेक्नोलॉजी को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में मजबूत स्थिति दिलाई है, जबकि निकेश अरोड़ा साइबर सुरक्षा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पालो अल्टो नेटवर्क्स के प्रमुख के रूप में अपने रणनीतिक नेतृत्व और वैश्विक कारोबारी अनुभव के लिए जाने जाते हैं।

आईआईटीएफ में बिहार की विरासत और विकास का भव्य प्रदर्शन, उद्योग सचिव ने किया बिहार पवेलियन का उद्घाटन



भारत मंडपम के हॉल नंबर-2 में सजा बिहार पवेलियन, 55 से अधिक स्टॉल पर प्रदर्शित हो रहे हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, कला-संस्कृति और निवेश की संभावनाएं

संवाददाता

नई दिल्ली : 45वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर (आईआईटीएफ) 2026 में पार्टनर स्टेट बिहार अपनी गौरवशाली ऐतिहासिक विरासत, समृद्ध सांस्कृतिक पहचान और विकास की नई गाथा को आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत कर रहा है। सोमवार को बिहार सरकार के उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार एवं दिल्ली में बिहार सरकार के स्थानिक आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह ने भारत मंडपम के हॉल नंबर-2 में स्थापित बिहार पवेलियन का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार की संयुक्त सचिव श्रीमती पलका साहनी भी उपस्थित रहीं।

उद्घाटन के बाद अतिथियों ने बिहार पवेलियन में लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का भ्रमण किया तथा वहां प्रदर्शित हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पादों और अन्य विशिष्ट वस्तुओं की सराहना की।

इस वर्ष व्यापार मेले की थीम ह्यविकास और विरासत है। इसी थीम के अनुरूप बिहार पवेलियन को भव्य रूप से सजाया गया है। यहां बिहार की प्राचीन सभ्यता, गौरवशाली इतिहास, कला-संस्कृति और पारंपरिक हस्तशिल्प के साथ-साथ राज्य में तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक परिदृश्य और निवेश की संभावनाओं को भी प्रदर्शित किया गया है।

निवेशकों के लिए बिहार में अपार संभावनाएं: कुंदन कुमार

बिहार पवेलियन के उद्घाटन के अवसर पर उद्योग विभाग के सचिव श्री कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार सरकार सभी आगंतुकों, निवेशकों, उद्यमियों और उद्योग जगत से जुड़े लोगों को भारत मंडपम के हॉल नंबर-2 स्थित बिहार पवेलियन में आने के लिए आमंत्रित करती है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पार्टनर स्टेट के रूप में बिहार अपनी समृद्ध विरासत के साथ राज्य की विकास यात्रा और प्रगतिशील औद्योगिक इकोसिस्टम को प्रदर्शित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि मेले में आने वाले निवेशकों और उद्यमियों को बिहार की निवेश-अनुकूल नीतियों, औद्योगिक सुविधाओं और विनिर्माण क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों को करीब से जानने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार सतत विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने की दिशा में कार्य कर रही है।

श्री कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार पवेलियन में राज्य की कला, हस्तशिल्प और सांस्कृतिक विरासत के साथ-साथ औद्योगिक विकास एवं निवेश की संभावनाओं को भी प्रमुखता से स्थान दिया गया है। बिहार म्यूजियम की विशिष्ट पहचान और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के लिए यहां विशेष बिहार म्यूजियम गैलरी बनाई गई है। इसके अलावा निवेशकों को राज्य में उपलब्ध अवसरों और औद्योगिक नीतियों की जानकारी देने के लिए उद्योग एवं निवेश से संबंधित विशेष स्टॉल भी लगाया गया है।

उन्होंने कहा कि बिहार सरकार का उद्देश्य निवेशकों को राज्य की क्षमता और संभावनाओं से परिचित कराना है, ताकि वे बिहार में निवेश कर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित करें और राज्य के आर्थिक विकास में भागीदार बनें।

55 से अधिक स्टॉल पर दिख रही बिहार की प्रतिभा: मनोज कुमार सिंह

बिहार सरकार के स्थानिक आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह ने कहा कि आईआईटीएफ में बिहार पवेलियन के माध्यम से 55 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इनमें बिहार की गौरवशाली विरासत से जुड़ी वस्तुओं, पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय औद्योगिक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य बिहार के उद्यमियों और स्थानीय उत्पाद निमार्ताओं को बड़े बाजारों तक पहुंच दिलाना, उनके उत्पादों के लिए नए ग्राहक तैयार करना और उन्हें बाजार की मांग एवं संभावनाओं से परिचित कराना है। व्यापार मेले के माध्यम से बिहार के स्थानीय उद्यमियों को अपने उत्पादों की गुणवत्ता और विशिष्टता राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण अवसर मिल रहा है।

विरासत के साथ आधुनिक विकास की नई पहचान

इस वर्ष बिहार पवेलियन के माध्यम से राज्य की पारंपरिक विरासत को आधुनिक औद्योगिक संभावनाओं से जोड़ने का विशेष प्रयास किया गया है। यहां हस्तशिल्प, पारंपरिक कलाकृतियों और स्थानीय उत्पादों के साथ पर्यटन, उद्योग, निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी जा रही है।

बिहार पवेलियन केवल राज्य की सांस्कृतिक पहचान और उपलब्धियों का प्रदर्शन स्थल नहीं है, बल्कि यह निवेशकों, उद्यमियों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ संवाद स्थापित करने तथा नए व्यावसायिक अवसरों को विकसित करने का भी महत्वपूर्ण मंच बन रहा है।

आईआईटीएफ 2026 में बिहार की यह सहभागिता राज्य के स्थानीय उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने, उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और बिहार को एक आकर्षक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।



पश्चिमी सिंहभूम जिला परिषद में अनियमितताओं की जांच की मांग

मुख्यमंत्री को सौंपा गया पत्र

पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडेय ने स्थानीय संवेदकों की अनदेखी और अधूरे कार्यों के आवंटन पर उठाए सवाल



संवाददाता

चाईबासा : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष पवन शंकर पांडेय ने पश्चिमी सिंहभूम जिले के जिला परिषद में कथित अनियमितताओं को लेकर झारखंड के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। 16 नवंबर 2026 को प्रेषित पत्र में उन्होंने जिला परिषद की कार्यप्रणाली, संवेदकों को कार्य आवंटन तथा लंबित भुगतान से जुड़े कई गंभीर मुद्दों को उठाया है।

पवन शंकर पांडेय ने अपने पत्र में आरोप लगाया है कि पश्चिमी सिंहभूम जिला परिषद में स्थानीय संवेदकों की घोर उपेक्षा की जा रही है, जबकि नियमों के विपरीत जिले के बाहर के संवेदकों का निबंधन कराकर उन्हें कार्य आवंटित किया गया है। उन्होंने इसे जांच का विषय बताते हुए कहा कि वर्तमान कार्यपालक पदाधिकारी से जानकारी मांगने पर यह बताया गया कि मामला उनके कार्यकाल से पूर्व का है। ऐसे में जिला परिषद में पदस्थापित सहायक अभियंता कौशल किशोर भगत की भूमिका की भी जांच आवश्यक है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई संवेदकों को आवंटित कार्य अब तक पूरे नहीं हुए हैं, इसके बावजूद उन्हें नए कार्य आवंटित किए जा रहे हैं। वहीं, कई संवेदकों का भुगतान महीनों से लंबित है। इसके कारण उन्हें कार्य संपन्न कराने में आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पत्र के माध्यम से उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि संवेदकों के लंबित बिलों का भुगतान समय पर सुनिश्चित किया जाए, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। साथ ही कार्य आवंटन की प्रक्रिया में पारदर्शिता बरती जाए और स्थानीय संवेदकों को उचित अवसर मिले।

पवन शंकर पांडेय ने मुख्यमंत्री से पूरे मामले की सच्चाई से जांच कराने तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के खिलाफ न्यायसंगत कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन निर्धारित नियमों और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए, ताकि जिले में विकास कार्य बाधित न हों और सरकारी व्यवस्था में जनता का विश्वास बना रहे।

इस पत्र की प्रतिलिपि झारखंड सरकार के मुख्य सचिव एवं पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त को भी भेजी गई है।

